RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 270 ता. 08 अप्रेल 2021, गुरूवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

छापे के डर से चूल्हे पर रखकर फूंके घूस के 5 लाख रुपये, राजस्थान में तहसीलदार ने फूंके थे 20 लाख

हैदराबाद। तेलंगाना में एक शख्स ने मंगलवार को छापेमारी के डर से घूस में मिले 5 लाख रुपये जलाकर फूंक दिए। ऐंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बताया कि मामला तेलंगाना के नगरकुरनूल जिले का है। यहां तहसीलदार के कहने पर एक शख्स ने किसी से 5 लाख रुपये लिए थे लेकिन उसे पकड़े जाने का डर सताने लगा और आखिरकार उसने पैसों को जला दिया। एक वरिष्ठ एसीबी अधिकारी ने बताया कि दो हजार रुपये के 46 नोट यानी 92 हजार रुपये पूरी तरह जलकर खाक हो गए। जो 500 और कुछ 2000 रुपये के नोट बचे हैं वे भी काफी हद तक जल चुके हैं। 5 लाख रुपये में से अब कुछ भी बचा नहीं है। एसीबी की ओर से जारी बयान के मुताबिक, वेलदाना मंडल के तहसीलदा ने कथित तौर पर एक शख्स को कहीं से 5 लाख रुपये की घूस की रकम लाने को कहा था। अब एसीबी मामले की जांच कर रही है। शख्स को डर था कि एसीबी उसके घर छापा मार सकती है, इसलिए उसने अपने घर का दरवाजा अंदर से बंद किया और फिर घूस में मिले पैसों को किचन में गैस स्टोव पर जला दिया। एसीबी अधिकारियों को शख्स के घर से अधजले नोट ही मिले। एसीबी ने इस शख्स को हिरासत में ले लिया है। साथ ही उस तहसीलदार को भी हिरासत में ले लिया गया है जिसने शख्स को घूस की रकम लाने को कहा था। बता दें कि बीते महीने ही राजस्थान में भी ऐसा मामला सामने आया था। यहां सिरोही जिले में एक तहसीलदार ने एसीबी की कार्रवाई के डर से 15-20 लाख रुपये के नोट कथित तौर पर जला डाले थे।

पीएम मोदी ने स्वास्थ्य सेवा में अनुसंधान, नवाचार का समर्थन करने की प्रतिबद्धता दोहराई

पीएम मोदी ने ट्वीट किया विश्व स्वास्थ्य दिवस उन सभी लोगों की प्रशंसा करने का दिन है जो हमारे ग्रह को स्वस्थ रखने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। भारत सरकार लोगों को अच्छी और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं दिलाने के प्रयास लगातार कर रही है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि विश्व स्वास्थ्य दिवस उन सभी के लिए हमारी कृतज्ञता और प्रशंसा की सराहना करने का दिन है जो हमारे ग्रह को स्वस्थ रखने के लिए दिन-रात काम करते हैं। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा में अनुसंधान और नवाचार का समर्थन करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, 'विश्व स्वास्थ्य दिवस उन सभी लोगों की प्रशंसा करने का दिन है जो हमारे ग्रह को स्वस्थ रखने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। स्वास्थ्य सेवा में रिसर्च और इनोवेशन के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का भी दिन है।' उन्होंने मास्क पहनने, नियमित रूप से हाथ धोने और अन्य प्रोटोकॉल का पालन करने सहित सभी संभावित सावधानी बरतने पर सीओवीआईडी -19 से लड़ने पर ध्यान देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, 'विश्व स्वास्थ्य दिवस पर हमें COVID-19 से लड़ने पर ध्यान रखना चाहिए, जिसमें मास्क पहनना, नियमित रूप से हाथ धोना और अन्य प्रोटोकॉल का पालन करना शामिल है। फिट रहने के लिए सभी संभव कदम उठाएं।'

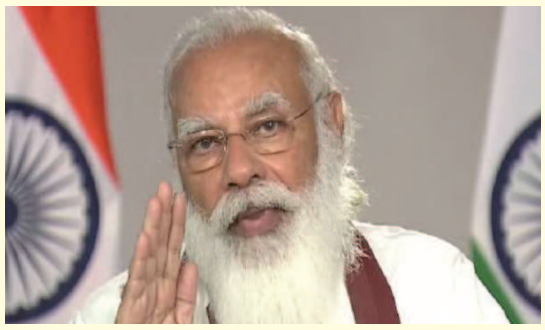

'विश्व स्वास्थ्य दिवस उन सभी लोगों की प्रशंसा करने का दिन है जो हमारे ग्रह को स्वस्थ रखने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। स्वास्थ्य सेवा में रिसर्च और इनोवेशन के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का भी दिन है।' उन्होंने मास्क पहनने, नियमित रूप से हाथ धोने और अन्य प्रोटोकॉल का पालन करने सहित सभी संभावित सावधानी बरतने पर सीओवीआईडी -19 से लड़ने पर ध्यान देने का आग्रह किया।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत सरकार ने आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री जनधन योजना सहित कई उपाय कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोगों को अच्छी और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं मिल सके। भारत कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान भी चला रहा है। बता दें कि इस साल, विश्व स्वास्थ्य दिवस ऐसे समय के दौरान है जब दुनिया भर में लोग कोरोना वायरस को खत्म करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं।

बता दें कि लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल 7 अप्रैल को वर्ल्ड हेल्थ डे मनाया जाता है। इसे मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य दुनिया के हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना, उनका स्वास्थ्य बेहतर बनाना, उनके स्वास्थ्य स्तर को ऊंचा उठाना तथा समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक कर स्वस्थ वातावरण बनाते हुए स्वस्थ रखना है।

मोदी की वजह से सुषमा-जेटली का हुआ निधन...

बिगड़े बोल पर स्टालिन के बेटे को मिला नोटिस

चेन्नै। अरुण जेटली और सुषमा स्वराज जैसे नेताओं का निधन पीएम नरेंद्र मोदी की वजह से हुआ था क्योंकि वे उनके दबाव और उत्पीड़न को नहीं सह सके। इस आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन को चुनाव आयोग ने नोटिस भेजा है। आयोग की ओर से उदयनिधि को बुधवार शाम तक जवाब देने का आदेश दिया गया है। आयोग ने चेताया है कि यदि उदयनिधि तय समय के भीतर अपनी ओर से जवाब नहीं देते हैं तो फिर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। नोटिस में कहा गया है कि आयोग को बीजेपी की ओर से 2 अप्रैल को शिकायत मिली है कि उदयनिधि ने धारापुरम में एक रैली को संबोधित करते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस विवादित टिप्पणी में उदयनिधि ने कहा था, 'सुषमा स्वराज और अरुण जेटली का निधन इसलिए हो गया क्योंकि वह पीएम नरेंद्र मोदी के दबाव और उत्पीड़न को नहीं झेल सके।' चुनाव आयोग का मानना है कि उदयनिधि की इस टिप्पणी ने आचार संहिता को तोड़ने का काम किया है। आयोग के निर्देशों के मुताबिक चुनाव प्रचार के दौरान कोई भी नेता विपक्षी दल की नीतियों, पिछले काम और रिकॉर्ड को आधार बनाते हुए ही आलोचना कर सकता है। आचार संहिता के मुताबिक किसी भी नेता की निजी जिंदगी या संबंधों के बारे में कोई आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की जा सकती। इसके अलावा विपक्षी नेताओं या कार्यकर्ताओं पर गलत आरोप लगाने से बचने की भी सलाह दी गई है। बता दें कि तमिलनाडु में मंगलवार 6 अप्रैल को वोटिंग थी और एक ही राउंड में सभी सीटों पर मतदान हुआ है। इसके साथ ही केरल, पुडुचेरी में भी 6 अप्रैल को ही वोटिंग थी। वहीं असम में भी मंगलवार को तीसरे और आखिरी राउंड की वोटिंग हो गई। हालांकि इस चुनावी जंग में सबसे ज्यादा चर्चा पश्चिम बंगाल की है,

कोरोना वायरस को मारने में सक्षम है सूर्य का प्रकाश

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी जब से दुनिया में फैली है, तब से हर दिन इसे लेकर नए खुलासे होते रहते हैं। एक नए अध्ययन में पता चला है कि सूर्य का प्रकाश कोविड-19 वायरस को आठ गुना तेजी से नष्ट करने में सक्षम है। शोधकर्ताओं ने सार्स-कोव-2 वायरस को निष्क्रिय करने के लिए सूर्य के प्रकाश की प्रभावकारिता की जांच की। कोरोना महामारी के शुरू होने के बाद से इसे निष्क्रिय करने और इसके प्रभाव को कम करने के लिए कई धारणाएं विकसित हुईं। इनमें से कई विज्ञान समर्थित प्रबंधन अवधारणाएं आज भी अपरिवर्तित बनी हुई हैं, जैसे साबुन और गर्म पानी से हाथ धोना वायरस के लिपिड झिल्ली को बाधित करता है। जर्नल ऑफ इंफेक्शियस डिसीज के एक पत्र में, यूसी सांता बारबरा, ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर और ईटीएच ज्यूरिख के शोधकर्ताओं की एक टीम पर सूर्य के प्रकाश के प्रभाव की जांच की। निष्कर्षों में सामने आया कि सूर्य का प्रकाश वायरस को नष्ट करने में आठ गुना तक प्रभावी है। शोधकर्ताओं ने जुलाई 2020 में किए गए एक प्रयोगशाला अध्ययन से प्राप्त डेटा का विश्लेषण किया और इसकी तुलना हालिया किए गए अध्ययन से की जो कि सौर विकिरण द्वारा कोरोना निष्क्रियता के एक सिद्धांत पर आधारित है। अध्ययन के प्रमुख लेखक पाओलो लुजत्टो-फेगिज ने कहा कि सिद्धांत मानता है कि यूवी-बी किरणों से टकराकर वायरस के आरएनए निष्क्रिय हो जाते हैं।

ऐसे रहे परिणाम-पत्र के अनुसार, प्रयोगों ने लगभग 10-20 मिनट के वायरस निष्क्रियता का प्रदर्शन किया। प्रयोगों में, सिम्युलेटेड लार में वायरस यूवी-बी लैंप के संपर्क में आने से आठ गुना अधिक तेजी से निष्क्रिय किया गया था। लुजातो और उनके सहयोगियों ने तर्क दिया, यूवी-बी किरणों द्वारा आरएनए निष्क्रियता से अलग एक और तंत्र हो सकता है। उदाहरण के लिए, यूवी-ए पहले से सोची गई तुलना में अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकता है।

बांदा जेल में इस बार नहीं चलेगी मुख्तार की 'मुख्तारी'

बांदा। उत्तर प्रदेश की बांदा जेल में इस बार मुख्तार की मुख्तारी नहीं चलेगी। बैरक नंबर-15 में उनकी जिंदगी बिल्कुल किसी आम कैदी की तरह होगी। मुख्तार, आपराधिक मामलों में बंद हैं सो उन्हें राजनीतिक बंदी नहीं माना जाएगा। हालांकि एक समय था जब इसी जेल में मुख्तार का सिक्का चलता था। वह जब पहली बार बांदा जेल में बंद थे तो दूसरे अपराधी उनके नाम से थर-थर कांपते थे। मुख्तार के पास वर्षों के जेल जीवन का अनुभव है। जेलों में उनका दरबार लगता रहा है लेकिन इस बाद न दरबार होगा न मुंख्तारी। मुख्तार को वही सुविधाएं मिलेंगी जो जेल में किसी भी दूसरे कैदी को मिलती हैं। इसके पहले मुख्तार को 2017 में बांदा जेल भेजा गया था। तब भी उन्हें यहां की बैरक नंबर-15 में ही रखा गया था। इस

बार भी मुख्तार का ठिकाना यही बैरक बन रही है लेकिन वे विशेष सुविधाएं नदारद हैं जिनका उपभोग मुख्तार यहां करते आए हैं। सीखचों के पीछे कभी एसी और निजी जेनरेटर जैसी व्यवस्थाओं का सुख लेने वाले इस माफिया को शायद पहली बार ऐसी कड़ी निगरानी का सामना करना पड़ रहा है। मुख्तार अंसारी पहली बार कानून के सामने इस कदर लाचार नज़र आ रहे हैं। इसके पहले तक उनका रसूख और रुपए जेल के बाहर की तरह जेल के अंदर भी उनका साम्राज्य फीका नहीं पड़ने देते थे।

राजा भैय्या और अतीक अहमद भी यहां रह चुके हैं बंद

मुख्तार के अलावा बांदा जेल में यूपी के कुछ अन्य बाहुबली भी बंद रह चुके हैं। इनमें राजा भैय्या और अतीक अहमद के नाम प्रमुख हैं। उनके अलावा शीलू बलात्कार कांड का आरोपी नरैनी से बसपा विधायक पुरुषोत्तम नरेश द्विवेदी, नोएडा का गैंगस्टर अनिज दुजाना भी यहां सजा काट चुके हैं।

बांदा जेल में बढ़ाई गई सुरक्षा-मुख्तार के रिटर्न को लेकर बांदा जेल में सुरक्षा व्यवस्था पहले से काफी कड़ी कर दी गई है। जेल में अब जो लोग भी दाखिल किए जाएंगे, उनकी पूरी पड़ताल की जाएगी। बिना जांच-पड़ताल के जेल स्टॉफ को भी इंट्री न दी जाए। जेल में कौन कितनी बार आया इसका हिसाब रखा जाएगा। बकायदा रजिस्टर मेंटन किया जाएगा। जेल के बाहर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

चुनाव आयोग ने द्रमुक नेता उदयनिधि को नोटिस भेजा

अरुण जेटली और सुषमा स्वराज पर की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने भाजपा के दिवंगत नेताओं अरुण जेटली और सुषमा स्वराज के संबंध में कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने को लेकर द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन को नोटिस जारी किया है। द्रमुक नेता ने कथित तौर पर कहा था कि सुषमा स्वराज और अरुण जेटली की मृत्यु हो गई, क्योंकि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दबाव को सहन नहीं कर पा रहे थे। चुनाव आयोग ने उदयनिधि को बुधवार शाम पांच बजे से पहले नोटिस का जवाब देने को कहा है। इसके साथ ही आयोग ने कहा कि यदि वह उस समय तक जवाब नहीं देते हैं तो आयोग इस पर फैसला करेगा। नोटिस में कहा गया है कि आयोग को दो अप्रैल को भाजपा की ओर से एक शिकायत मिली थी, जिसमें कहा

गया कि 31 मार्च को एक सभा में उदयनिधि स्टालिन ने आपत्तिजनक बयान दिया था। आयोग ने कहा कि उसका मानना है कि द्रमुक नेता के भाषण की सामग्री आदर्श आचार संहिता के प्रविधान का उल्लंघन करती है।

कुंभ मेले को समय से पहले खत्म करने की केंद्र सरकार की कोई योजना नहीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कहा है कि समय से पहले खत्म करने की केंद्र सरकार की कोई योजना नहीं है। मेले में कोरोना से बचाव के नियमों का पालन किया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि हरिद्वार में लगे कुंभ मेले को समय से पहले खत्म करने की कोई योजना नहीं है। मेले में कोरोना से बचाव के नियमों का पालन किया जा रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या कुंभ मेला 'सुपर स्प्रेडर' साबित हो सकता है, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि जहां तक सुपर स्प्रेडर कार्यक्रम की बात है तो केंद्र सरकार लगभग एक महीने पहले ही कोरोना से बचाव के नियम जारी कर चुकी है। इसमें खासतौर पर कहा गया है कि कुंभ मेले में किन-किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है। इस संबंध में राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक भी हो चुकी है। बता दें कि सूत्रों के हवाले से यह खबर आई थी कि केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक दिन पहले हुई बैठक में कुंभ मेले को सुपर स्प्रेडर बताते हुए इसे खत्म करने की सलाह दी थी। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि आम तौर पर कुंभ मेला तीन से चार महीने तक चलता है। हरिद्वार में लगे कुंभ मेले की अवधि पहले ही कम कर दी गई है। यह मेला सिर्फ एक महीने ही चलेगा।

● बता दें कि सूत्रों के हवाले से यह खबर आई थी कि केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक दिन पहले हुई बैठक में कुंभ मेले को सुपर स्प्रेडर बताते हुए इसे खत्म करने की सलाह दी थी। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि आम तौर पर कुंभ मेला तीन से चार महीने तक चलता है।

भारत और चीन के बीच 9 अप्रैल को हो सकती है 11वें दौर की सैन्य वार्ता

नई दिल्ली। लद्दाख में सीमा विवाद को लेकर तनाव कम करने को लेकर दोनों देशों की ओर से सैन्य वार्ता के जरिए कोशिशें जारी हैं। लद्दाख के गोगरा, हॉट स्प्रिंग और डेपसांग क्षेत्र में जारी तनाव को हल करने के लिए भारत-चीन के बीच सैन्य कमांडर स्तर की वार्ता नौ अप्रैल को हो सकती है। भारतीय सेना के सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी कि दोनों देशों के बीच 11वें दौर की वार्ता 9 अप्रैल को होगी। बता दें कि लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं के बीच बीते लगभग एक साल से टकराव चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक, पैंगोंग झील क्षेत्र में चीन के साथ तनाव के समाधान के बाद दोनों देशों की सेनाएं गोगरा पहाड़ियों और डेपसांग इलाके में सैन्य मौजूदगी घटाने के मुद्दे पर चर्चा कर सकती हैं। यह वार्ता भारत-चीन के बीच सैन्य विवाद को लेकर हाल ही में हुई राजनयिक स्तर की बातचीत के बाद होगी। पिछले महीने सैन्य और राजनीतिक स्तर की विभिन्न दौर की बैठक के बाद दोनों देश पैंगोंग में सेना हटाने पर सहमत हुए थे। सभी पक्षों ने विवाद के समाधान का श्रेय सेना प्रमुख एमएम नरवणे को दिया था।

बता दें कि पहले लद्दाख के पैंगोंग त्सो के उत्तरी और दक्षिणी किनारों के ऊंचाई वाले क्षेत्रों से दोनों देशों की सेनाओं की वापसी के पूरा होने के दो दिन बाद 20 फरवरी को भारत और चीन की सेनाओं के कोर कमांडर-रैंक

के अधिकारियों के बीच 10वें दौर की बातचीत हुई थी। करीब 16 घंटे चली इस बैठक में पूर्वी लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स, गोगरा और देप्सांग जैसे गतिरोध वाले बिंदुओं से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

क्वाड से चीन की चिंताएं बढ़ीं

इधर, क्वाड को लेकर चीन की चिंताएं बढ़ गई हैं। चीन ने मंगलवार को कहा कि विभिन्न देशों के बीच सैन्य सहयोग क्षेत्रीय शांति के अनुकूल होना चाहिए। क्षेत्र में बढ़ती चीनी आक्रामकता के बीच हिंद महासागर में फांस और भारत सहित क्वाड के अन्य सदस्यों के वृहद नौसेना अभ्यास में शामिल होने के एक दिन बाद चीन ने यह टिप्पणी की है। भारत और क्वाड के तीन अन्य सदस्यों - अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान ने सोमवार को पूर्वी हिंद महासागर में फ्रांस के साथ तीन दिवसीय नौसेना अभ्यास शुरू किया। फ्रांस व क्वाड गठबंधन देशों के नौसेना अभ्यास के बारे में पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने मंगलवार को बीजिंग के इस रुख को दोहराया कि इस तरह का सहयोग क्षेत्र में शांति के लिए अनुकूल होना चाहिए। उन्होंने यहां मीडिया से बातचीत में कहा, 'मैंने इन रिपोर्टों को देखा है। हमारा हमेशा मानना रहा है कि देशों के बीच सैन्य सहयोग क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के अनुकूल होना चाहिए।' इस अभियान के दौरान भारतीय नौसेना के पोत और विमान फ्रांस, आस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के पोतों और विमानों के साथ समुद्र में अभ्यास करेंगे।

वहीं, थल सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने मंगलवार को कहा कि भारत अपनी सीमाओं पर नए सिरे से चुनौतियों का सामना कर रहा है और प्रशिक्षण ले रहे सैन्य अधिकारियों को इस तरह के सभी घटनाक्रमों से अवगत रहना चाहिए। जनरल नरवणे तमिलनाडु के वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) में पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं के घटनाक्रम तथा भारतीय सेना के भावी रोडमैप पर उनके प्रभाव विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। भारतीय सेना द्वारा जारी एक बयान के अनुसार थल सेना प्रमुख ने जोर दिया कि देश अपनी सीमाओं पर नयी चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने छात्रों से सभी घटनाक्रमों को लेकर अवगत रहने का आह्वान किया। सेना प्रमुख को पेशेवर सैन्य शिक्षा के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में डीएसएससी की भूमिका को बढ़ाने की दिशा में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और ढांचागत विकास में किए जा रहे बदलावों के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्होंने कोविड-19 महामारी की बाधाओं के बावजूद प्रशिक्षण की बहुत बेहतर स्थिति बनाए रखने के लिए कॉलेज की सराहना की।

सार समाचार

किसान ने कुछ दिन पहले ही बेची थी जमीन, घर में रखी करोड़ों की रकम ले गए चोर

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा तहसील मुख्यालय पर बीती रात एक किसान जहार सिंह पुत्र धनीराम गुर्जर के घर एक करोड़ से ज्यादा की चोरी का मामला सामने आया है। रात के समय चोर किसान के घर में घुसे और एक करोड़ से ज्यादा नगद राशि और सोने-चाँदी के जेबर लेकर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि किसान ने कुछ दिन पहले ही अपनी जमीन का सौदा किया था, जिसके बदले में उसे इतनी बड़ी राशि मिली थी। ग्रामीण के घर चोरी की इस वारदात के बाद पुलिस अधीक्षक सहित आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। करोड़ों की चोरी के इस मामले में पुलिस जांच में जुट गई है और चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार करैरा तहसील कार्यालय के नजदीक निवास करने वाले किसान जहार सिंह पुत्र धनीराम गुर्जर के यहाँ मंगल-बुधवार की दरम्यानी रात को अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। जिसमें किसान के यहाँ 01 करोड़ 24 लाख नकद, सोने की एक तोला वजनी दो जोड़ी झुमकी,सोने का मंगलसूत्र एक तोला, 250 ग्राम बजनी चांदी की पायल ले गए।

दिल्ली में नाइट कर्फ्यू ने बढ़ाई रेस्तरां संचालकों की मुश्किलें, ठप हुआ व्यापार

नयी दिल्ली। बढते कोरोना मामलों के बीच दिल्ली में अब 30 अप्रैल तक 10 बजे से लेकर सुबह 5 बजे नाइट कर्फ्यू लगा रहेगा। इस कर्फ्यू के लागू होने से दिल्ली के रेस्तरां और होटल संचालकों की मुसीबत दोगुनी हो गई है। बता दें कि दिल्ली में ज्यादातर लोग पार्टिया और डिनर करने परिवारों और दोस्तो के साथ अकसर रात को ही निकलते है, ऐसे में अब दिल्ली में नाइट कर्फ्यू लगने से रेस्तरां और होटल जल्दी ही बंद करने पड़ेंगे। एक खबर के मुताबिक, दिल्ली होटल्स एंड रेस्टोरेंट ओनर्स एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट महेंद्र गुप्ता ने इस नाइट कर्फ्यू के लागू होने पर अपना विरोध जताया है और कहा कि, 'दिल्ली सरकार कोई भी फैसला सुनाई जा रही है और रात में दिल्ली कौन घूमता है'। उन्होंने आगे कहा कि, जो व्यक्ति फ्लाइट से दिल्ली आ रहा हो और उसे होटल पर रूकना होगा तो वह कैसे रूकेगा, वह तो आधे रास्ते में ही फंसकर रह जाएगा卐। महेंद्र गुप्ता के मुताबिक, नाइट कर्फ्यू के बिना भी मामले हर रोज बढ़ रहे है, सरकार को टीकाकरण अभियान तेज करना होगा जिससे कोरोना को कम किया जा सकता है। बढ़ती लापरवाही के कारण आज दिल्ली में कोरोना के केस बढ़ रहे है।

गुजरात में आईएसआई आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, सात दुकानों में आग लगाने के आरोप में तीन गिरफ्तार

अहमदाबाद। अहमदाबाद पुलिस की अपराधा शाखा ने बुधवार को सात दुकानों में कथित रूप से आग लगाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। यह घटना पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई के आतंकवाद फैलाने की साजिश का हिस्सा है, जिसमें असंदिग्ध मामूली अपराधियों को पैसे का लालच देकर इस तरह का काम करवाया जाता है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के विरूद्ध सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने संबंधी भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं तथा गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नशे में धुत भाजपा नेत्री के बेटे ने कार से मारी लोगों को टक्कर, इंदौर में मामला दर्ज

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में हिट एंड रन केस का मामला सामने आया है। यहां भाजपा नेत्री फिरदौस पटेल के बेटे ने नशे की हालत में अपनी कार से करीब 20 लोगों को टक्कर मारी और भाग निकला। आरोपित आजाद नगर से आकाशवाणी केंद्र, पानी की टंकी होते हुए रानीपुरा तक लोगों को घायल करता रहा। हादसे में कई लोगों को चोटें आई है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। कुछ लोगों को गंभीर रूप से भी घायल हुए हैं। घटना के बाद देर रात इंदौर, देवास और शाजापुर पुलिस को अलर्ट किया गया। फिलहाल आजाद नगर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में आतंकियों ने सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी की, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में बुधवार को आतंकवादियों ने सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी की, लेकिन इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने अपराह्न तीन बज कर करीब 20 मिनट पर शोपियां शहर के इमामसाहिब में पुलिस और सीआरपीएफ के जांच दल पर गोलीबारी की। अधिकारियों ने बताया कि किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि गोलीबारी के बाद मची अफरातफरी का फायदा उठाते हुए हमलावर भाग निकले।

अमित शाह का सिंगूर में रोड शो, सत्ता में आने पर उद्योग लगाने का किया वादा

सिंगूर। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक समय भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन के लिए सुर्खियों में रहे सिंगूर में बुधवार को रोड शो किया और इलाके की जनता से वादा किया कि भाजपा के सत्ता में आने पर यहां उद्योग-धंधे लगाये जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली के तीन दिन बाद ही शाह का विशाल रोड शो इस बात की ओर इशारा करता है कि भाजपा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को राज्य की औद्योगिक स्थिति और कथित बेरोजगारी के मुद्दे पर घेरना चाहती है। मोदी ने अपनी रैली में आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अड़चन डालने वाली सोच ने पश्चिम बंगाल को उद्योगों और रोजगारों से वंचित कर रखा है। भीड़ की तालियों और नारेबाजी के बीच शाह फूलों से सजे एक वाहन पर खड़े होकर सिंगूर की सड़कों पर निकले। उनके साथ सिंगूर से भाजपा के उम्मीदवार रवींद्रनाथ भट्टाचार्य भी थे जो हाल ही में तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं। शाह ने सड़कों के किनारे और छतों पर खड़े लोगों का मुस्कराकर अभिवादन किया। रोड शो के दौरान ही संवाददाताओं से बातचीत में शाह ने कहा कि राज्य में अगली सरकार भाजपा की बनने पर सिंगूर का विकास किया जाएगा जिसे 2006 के आंदोलन के बाद से उद्योगों से वंचित रखा गया है। उन्होंने कहा, ''हम उद्योग लगाकर इलाके का विकास करेंगे और हमारे संकल्प पत्र में आलू के लिए 500 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की गयी है जिसके लिए यह इलाका जाना जाता है।'' शाह ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद भाजपा सरकार कोलकाता तथा नयी दिल्ली को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सिंगूर में लघु, मध्यम और बड़े उद्योग लगाएगी। उन्होंने कहा, ''हम टकराव के बजाय विकास, संवाद और सहयोग की राजनीति करेंगे।'' शाह ने कहा कि वह हिंदू देवी-देवताओं का नाम लेने के लिए और चंडी पाठ करने के लिए तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी की प्रशंसा करते हैं, लेकिन उन्होंने बहुत देरी कर दी। उन्होंने कहा, ''भाजपा 200 से अधिक सीटों के साथ पश्चिम बंगाल चुनाव जीतेगी।'' राज्य में 294 विधानसभा सीटें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य भाजपा नेता बनर्जी पर अक्सर अल्पसंख्यक तुष्टीकरण का आरोप लगाते हैं। वह इस चुनाव में अपनी हिंदू पहचान को सामने रखने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। सिंगूर की सड़कों पर शाह का रोड शो करीब एक घंटे तक चला। इस दौरान हर तरफ भाजपा के रंगीन पोस्टर, झंडे और हरे एवं भगवा गुब्बारों से सड़कें पटी थीं। इस दौरान लोग 'जय श्री राम' के नारे लगा रहे थे। सिंगूर से चार बार तृणमूल कांग्रेस के विधायक रहे 89 वर्षीय भट्टाचार्य ने भगवा रंग की पगड़ी पहन रखी थी। उन्होंने इस बार तृणमूल का टिकट नहीं मिलने पर पार्टी छोड़ दी। शाह बुधवार को राज्य में तीन और रोड शो निकालेंगे जिनमें से एक कोलकाता में होगा।

कृषि कानूनों के विरोध में समर्थन जुटाने के लिए किसानों का 'मिट्टी सत्याग्रह' शुरू, 1500 गांवों से लाई गई मिट्टी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्र के तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों संगठनों का पिछले 131 दिनों से आंदोलन जारी है। इसी बीच आंदोलन को गति प्रदान करने के लिए 'मिट्टी सत्याग्रह' की शुरुआत हो गई है। जिसके तहत गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा समेत 23 राज्यों के 1500 गांवों की मिट्टी लेकर किसान संगठनों के साथी दिल्ली की सीमाओं पर पहुंचे हैं। जहां पर महिलाओं ने मिट्टी से भरे हुए कलश को सिर पर रखकर किसानों के प्रति अपना समर्थन जताया।

शहीदों के लिए बनाया जाएगा स्मारक

किसान आंदोलन में शहीद हुए किसानों की याद में शहीद स्मारक बनाया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शहीद स्मारक में देशभर से आई मिट्टी का विशेष रूप से इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए किसान संगठनों के नेता महापंचायतों में, बैठकों में 'मिट्टी' लेकर जाएंगे। ताकि अधिक से अधिक संख्या में आंदोलन के लिए समर्थन जताया जा सके।

संयुक्त किसान मोर्चा के दर्शनपाल ने बताया कि शहीद भगत सिंह, शहीद सुखदेव, शहीद चंद्रशेखर आजाद, ऊधम सिंह समेत अन्य स्थलों से मिट्टी लाई गई हैं। आपको बता दें कि गुजरात के 33 जिलों के 800, राजस्थान के 200, महाराष्ट्र के 150, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के 150, उत्तर प्रदेश के 75, हरियाणा के 60, पंजाब के 78 और बिहार के 30 गांवों की मिट्टी को लाई गई है।

सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर मंगलवार को तीसरी बार दिल्ली से सटे हुए गाजीपुर बॉर्डर पहुंचीं। जहां पर उन्होंने किसानों के साथ मिलकर मिट्टी की पूजा की। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने मेधा पाटकर के साथ की एक तस्वीर भी साझा की। जिसमें उन्होंने लिखा कि बचा हुआ देश बेचने के लिए पुनः लॉकडाउन की तैयारी है। आंदोलन लॉकडाउन से समाप्त नहीं होगा। चाहे कोरोना आए या इससे भी बड़ा कुछ और आए।

जारी रहेगा किसानों का आंदोलन

एक तरफ जहां कोरोना वायरस महामारी के मामले रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं वहीं पर किसान संगठनों ने साफ कर दिया है कि उनका आंदोलन समाप्त नहीं होने वाला है। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि चाहे पूरे देश में लॉकडाउन लग जाए लेकिन हमारा आंदोलन खत्म नहीं होगा। हालांकि, किसान नेता ने आंदोलन स्थलों पर कोरोना गाइडलाइन्स को फॉलो करने की बात कही।

बीजेपी ने पहले कोविड-19 पाबंदियों पर सरकार का समर्थन किया, अब कर रही विरोध: संजय राउत

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र सरकार की आलोचना करने के लिये शिवसेना नेता संजय राउत ने बुधवार को विपक्षी भारतीय जनता पार्टी को आड़े हाथ लेते हुये कहा कि कोविड-19 के प्रसार की रोकथाम के लिये राज्य सरकार द्वारा लागू किये गये प्रतिबंधों का विपक्षी दल ने पहले तो समर्थन किया और अब वह विरोध कर रही है। राउत ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुयेकहा कि देश में विपक्षी दलों को महामारी को लेकर राजनीति बंद करनी चाहिये। सांसद ने कहा, ''शुरूआत में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने कठोर प्रतिबंध लगाने के दौरान सहयोग के लिये मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अपील का समर्थन किया, लेकिन अब यह आलोचना कर रही है।'' उन्होंने कहा कि प्रत्येक जीवन महत्वपूर्ण है और यही कारण है कि इसमे राजनीति से बचना चाहिये। उन्होंने कहा कि गुजरात में, जहां भाजपा की सरकार है, उच्च न्यायालय ने लॉकडाउन लागू करने का आदेश दिया हैलेकिन महाराष्ट्र में यह पार्टी विरोध कर रही है। राउत ने कहा, ''कोई भी सरकार ऐसा निर्णय करके खुश नहीं होती है। हर व्यक्ति को यह समझना चाहिये कि यह आपात स्थिति है।'' पिछले कुछ दिनों में प्रदश में कोरोना वायरस संक्रमण के नये मामलों में हुयी जबरदस्त बढ़ोत्तरी के बाद रविवार को महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार से 30 अप्रैल तक सप्ताहांत पर लॉकडाउन और रात का कर्फ्यू लगाने की घोषणा की थी। इसके अलावा राज्य सरकार ने निजी कार्यालयों, थियेटरों एवं सैलूनों को बंद करने का भी ऐलान किया है। इसके अलावा सप्ताह के अन्य दिनों में दिन के समय में निषेधाज्ञा भी लागू किया गया है। वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को महाराष्ट्र में लोगों से कोविड-19 के प्रसार की रोकथाम के लिये सरकार द्वारा लागू किये गये प्रतिबंधों एवं सप्ताहांत के लॉकडाउन का पालन करने की अपील की थी हालांकि, मंगलवार को उन्होंने मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने कहा, ''जब आपने मुझसे वायरस के प्रसार की रोकथाम के लिए कठोर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता के बारे में बात की थी, तो हम सहमत थे क्योंकि लॉकडाउन केवल दो दिनों के लिए था। लेकिन सप्ताह के शेष पांच दिनों के लिए लॉकडाउन जैसे प्रतिबंधों के कारण लोगों में अशांति पैदा हुई है।''

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का निजी चैनलों से आग्रह, कहा- 'दवाई भी, कड़ाई भी' संदेश फैलाएं

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस संक्रमण के मामले तेज गति से बढ़ने के बीच सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने मंगलवार को निजी टीवी चैनलों से कोविड के प्रति उपयुक्त व्यवहार और पात्र आयु वर्ग के लोगों टीकाकरण के लिए संदेश का प्रसार करने का आग्रह किया। इसका उद्देश्य लोगों के बीच व्यापक स्तर पर जागरूकता फैलाना है। मंत्रालय के परामर्श में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चार अप्रैल को हुई बैठक का उल्लेख किया गया है, जो उभरती स्थिति की समीक्षा के लिए की गई थी। बैठक में यह पांच सूत्री रणनीति- 'टेस्टिंग (जांच), ट्रेसिंग (संक्रमित का पता लगाना), उपचार, कोविड के प्रति उपयुक्त व्यवहार और टीकाकरण' पर जोर दिया गया था।

मंत्रालय ने कहा कि जनहित में संदेश फैलाने के लिए टीवी चैनलों ने नेतृत्वकारी भूमिका निभाई है। मंत्रालय ने कहा कि देश में कोविड-19 के मामलों की वृद्धि का रूझान चिंताजनक है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने निजी चैनलों से अपने परामर्श में कहा, '' इसलिए, यह जरूरी है कि सभी हितधारक 'दवाई भी, कड़ाई भी' पर नये सिरे से जोर देने के साथ संचार रणनीति को आगे बढ़ाएं।'' परामर्श में कहा गया है कि निजी चैनल कोविड के प्रति उपयुक्त व्यवहार और पात्र आयु वर्ग के टीकाकरण के लिए संदेश का उपयुक्त रूप से प्रसार कर सकते हैं, ताकि देश के नागरिकों के बीच व्यापक स्तर पर जागरूकता फैलाई जा सके।

देश में लगातार तीसरे दिन संक्रमण के 90,000 से अधिक नये मामले सामने आए। कोविड-19 के 96,982 नए मामले सामने आने के बाद मंगलवार को देश में संक्रमितों की कुल संख्या 1,26,86,049 हो गई। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे में 446 और मरीजों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,65,547 हो गई। देश में सोमवार को अभी तक के सर्वाधिक 1,03,558 नए मामले सामने आए थे।

मुंबई पुलिस की रिपोर्ट में खुलासा, परमबीर सिंह के कहने पर वाजे की हुई थी सीआईयू में नियुक्ति

मुंबई। (एजेंसी)।

मुंबई पुलिस द्वारा राज्य पुलिस विभाग को सौंपी गयी एक रिपोर्ट के अनुसार विवादों में घिरे निलंबित पुलिस अधिकारी सचिन वाजे को पिछले साल जून में तत्कालीन मुंबई पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह के जोर देने पर अपराध खुफिया इकाई (सीआईयू) में तैनात किया गया था। हालांकि तत्कालीन संयुक्त सीपी (क्राइम) ने इस पर आपत्ति जतायी थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि वाजे ने वरिष्ठता क्रम का दरकिनार कर दिया और वह सीधे पुलिस आयुक्त (परम बीर सिंह) को रिपोर्ट करते थे। इसके अलावा वाजे ने टीआरपी घोटाले, डीसी (दिलीप छाबरिया) कार वित्तपोषण मामला, मुकेश अंबानी सुरक्षा मामला जैसे अहम विषयों पर पुलिस आयुक्त (सीपी) के साथ मंत्री स्तर की ब्रीफिंग में भाग लिया।

एक अधिकारी ने रिपोर्ट के हवाले से कहा कि परंपरा के अनुसार सीआईयू के प्रमुख पुलिस निरीक्षक रैंक के अधिकारी होते हैं, लेकिन वाजे के मामले में इसे दरकिनार कर दिया गया और वह सहायक पुलिस निरीक्षक (एपीआई) हैं। वाजे फिलहाल एनआईए की हिरासत में हैं। वाजे को उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के पास एक वाहन मिलने तथा व्यवसायी मनसुख हिरन की मौत मामलों में गिरफ्तार किया गया था। वाहन में जिलेटिन की छड़ें रखी थीं। मुठभेड़ विशेषज्ञ'' वाजे को बहाल करने का निर्णय मुंबई पुलिस की पांच जून, 2020 को आयोजित बैठक में लिया गया था। वाजे को

2003 में बम विस्फोट के आरोपी ख्वाजा यूनुस की कथित तौर पर हिरासत में मौत के बाद निलंबित कर दिया गया था। रिपोर्ट के अनुसार उस बैठक में मुंबई पुलिस के तत्कालीन कमिश्नर (परम बीर सिंह), संयुक्त पुलिस आयुक्त (प्रशासन), अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (स्थानीय शस्त्र) और डीसीपी, मंत्रालय सुरक्षा उपस्थित थे। स्थापना समिति की एक बैठक में वाजे के नाम को मंजूरी दिए जाने के बाद आठ जून को उन्हें अपराध शाखा में तैनात किया गया था। अधिकारी ने कहा कि उनकी तैनाती का आदेश नौ जून को जारी किया गया था। वाजे और 56 अन्य पुलिस अधिकारियों तथा कर्मचारियों के निलंबन को रद्द करने का कारण कोरोना वायरस महामारी के कारण कर्मियों की कमी बताया गया था। रिपोर्ट में कहा गया कि संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) ने वाजे की सीआईयू में तैनाती के खिलाफ कड़ी आपत्ति जतायी थी। लेकिन तत्कालीन सीपी मुंबई (परम बीर सिंह) के आदेश पर नौ जून को आदेश जारी किया गया और वाजे सीआईयू में शामिल हो गए।

लॉकडाउन की आशंका और काम बंद होने से मजबूर एक बार फिर अपने घर लौटने लगे प्रवासी मजदूर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

देश में बढ़ते कोरोना वायरस के मामले को लेकर विभिन्न राज्यों ने अलग-अलग तरह की प्रतिबंधों को लगाया गया है। महाराष्ट्र में कई जिलों में लॉकडाउन की स्थिति है तो वहीं अन्य कई राज्यों में रात्रि कर्फ्यू की घोषणा की गई है। एक बार फिर से लोगों में लॉकडाउन को लेकर आशंका व्याप्त है। इसी आशंका की वजह से प्रवासी मजदूर एक बार फिर अपने गृह राज्य लौटने को मजबूर हैं। महाराष्ट्र में कोरोना प्रतिबंधों के चलते 30 अप्रैल तक गैर आवश्यक व्यवसाय बंद हो गए है। इसका असर यह हुआ है कि प्रवासी मजदूर गृह राज्य लौटने लगे हैं। लोकमान्य तिलक टर्मिनस और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर प्रवासियों की भारी हुजूम दिखाई देने लगी है। आरक्षण के काउंटरों पर लंबी कतारें लग रही हैं। यूपी और बिहार के लोग लगातार स्टेशन के इंक्वायरी में जाकर ट्रेनों के बारे में पूछ रहे हैं। रेलवे की ओर से उन्हें आरक्षित टिकट लेने के लिए कहा जा रहा है।

कुछ ऐसा ही हाल नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी दिखाई दे रहा है। दिल्ली में पिछले दिनों 5100 कोरोना के मामले मिले। दिल्ली सरकार ने यहां रात्रि कर्फ्यू की घोषणा कर दी है। दिल्ली में उत्तर प्रदेश और बिहार के रह रहे प्रवासी भी लॉकडाउन की आशंका को देखते हुए अपने गृह राज्य लौटने लगे हैं। दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी आरक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की लंबी भीड़ दिखाई दे रही है। हालांकि दिल्ली में अभी व्यवसायिक संस्थान खुले है। लेकिन कोरोना वायरस की सबसे खराब स्थिति महाराष्ट्र की है। महाराष्ट्र में बढ़ते मामले का नतीजा यह हुआ है कि हर तरह चीजें बंद होने लगी है। एक यात्री ने इंडियन एक्सप्रेस से बताया कि मैं यहां 15 सालों से रहता हूं और नींबू का रस बेचता हूं। फिर से यहां लॉकडाउन की स्थिति आने के बाद मैं बेघर हो गया हूं। अब मेरे पास आय का कोई स्रोत नहीं है। यही कारण है कि मैं अब अपने घर लौटना चाहता हूं। यहां मैं भूखा मर जाऊंगा। कम से कम अपने घर जा कर दो वक्त का भोजन तो मिल पाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि टिकट नहीं मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह बिना टिकट ट्रेन में चढ़ेंगे और अगर उनका फाइन लगता है तो भी वह देंगे।

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश और बिहार के लिए विभिन्न शहरों से चलने वाली ट्रेनों में टिकट उपलब्ध नहीं है। अपने घर लौटने के लिए प्रवासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। टिकट नहीं मिलने से यात्री प्लेटफार्म पर सोने को मजबूर हैं। प्रवासियों का दावा है कि काम बंद हो जाने से उनके पास न खाने के पैसे हैं, ना रहने के पैसे हैं। ऐसे में वे अब मुंबई में क्या करें? प्रवासी ने कहा कि वह यहां एक होटल में काम करता है लेकिन मालिक ने कहा कि वह अब उसे पैसे नहीं दे सकता। हालांकि उन्होंने कहा कि खाना देंगे। प्रवासी ने कहा कि ऐसी स्थिति में हम यहां क्या करेंगे? हमें इस जगह को छोड़ना ही होगा। हम अपने घर गांव जाएंगे, वहां खेती किसानी करेंगे और कम से कम दो वक्त की रोटी खा पाएंगे।

इस बारे में रेलवे ने कहा कि फिलहाल कोरोना वायरस को देखते हुए ट्रेन में सिर्फ कंफर्म टिकट वाले को ही यात्रा करने की अनुमति है। वर्तमान स्थिति में फिलहाल कोई नई या स्पेशल ट्रेनों की घोषणा नहीं हुई है लेकिन समय-समय पर यह

किया जाता है। हम लोगों से अपील करते हैं कि वह अफवाहों से बचें और पैनिक ना हो। रेलवे की ओर से यह भी कहा जा रहा है कि उत्तर प्रदेश और बिहार की ओर जाने वाली ट्रेनों में टिकट फिलहाल उपलब्ध नहीं है।

सार समाचार

इस देश में कोविड-19 जांच खुद करने के लिए बांटी जा रही जांच किट

एथेंस (ग्रीस)। ग्रीस में दवा की दुकानों में बुधवार से कोरोना वायरस संक्रमण जांच किट दी जा रही है जिससे हर व्यक्ति अपनी जांच खुद कर सकेगा। संक्रमण के मामलों में वृद्धि को रोकने के लिए उठाये गए कदमों के तहत प्रत्येक निवासी को हर सप्ताह मुफ्त में एक किट दिए जाने का नियम बनाया गया है। घर पर जांच करने के लिए किट वितरण में प्राथमिकता शिक्षकों और 16-18 वर्ष के हाई स्कूल के छात्रों को दी जा रही है क्योंकि कुछ कक्षाओं के लिए स्कूलों को दोबारा खोलने पर विचार किया जा रहा है।

ब्रिटेन ने की अपने तीसरे कोरोना टीके की शुरूआत, लोगों से की टीका लगवाने की अपील

लंदन। ब्रिटेन ने बुधवार को वेल्स में लोगों को मॉडर्ना कंपनी का कोविड-19 रोधी टीका लगाने की शुरुआत की। देश में दो खुराक वाला यह तीसरा टीका है जहां की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा फाइजर/बायोएनटेक और ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका के टीकों का पहले से ही इस्तेमाल कर रही है। मॉडर्ना कंपनी का टीका ब्रिटेन में सबसे पहले वेल्स के कार्मर्थेशाइर के लोगों को लगाया गया। देश में इस टीके के इस्तेमाल को इस साल जनवरी में मंजूरी प्रदान की गई थी। ब्रिटेन सरकार ने कहा कि उसने इस टीके की एक करोड़ 70 लाख खुराक मंगाने का ऑर्डर दिया है। देश के स्वास्थ्य मंत्री मैट हैंकॉक ने कहा, ''मुझे खुशी है कि हम ब्रिटेन के पश्चिमी वेल्स में आज मॉडर्ना कंपनी के टीके की शुरुआत कर सकते हैं। ब्रिटेन सरकार ने समूचे राष्ट्र की ओर से टीके हासिल किए हैं और टीकाकरण कार्यक्रम से देश के एकजुट होकर काम करने का पता चलता है।'' उन्होंने कहा, ''पूरे ब्रिटेन में प्रत्येक पांच लोगों में से तीन को टीके की कम से कम एक खुराक मिल चुकी है और आज हम, स्वीकृति प्राप्त कर चुके तीसरे टीके के साथ शुरुआत कर रहे हैं। आप जहां भी रहते हैं, जब भी आपको बुलाया जाए, आएं और टीका लगवाएं।

फिलीपीन के पूर्व राष्ट्रपति एस्ट्राडा को रखा गया वेंटिलेटर पर, एक सप्ताह पहले हुए थे कोरोना संक्रमित

मनीला। कोविड-19 से संक्रमित फिलीपीन के पूर्व राष्ट्रपति जोसेफ एस्ट्राडा को वेंटिलेटर पर रखा गया है। एस्ट्राडा के बेटे एवं पूर्व सीनेटर जिंगोय एस्ट्राडा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जिंगोय एस्ट्राडा ने बताया कि कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए एस्ट्राडा (83) को एक सप्ताह पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था और शुरुआत में उनकी हालत में सुधार हो रहा था। उन्होंने फेसबुक पर जारी मेडिकल बुलेटिन में बताया कि सोमवार को उनके पिता की स्थिति खराब हो गई और उन्हें वेंटिलेटर पर रखना पड़ा।

सबसे खराब दौर से गुजर रहा है उत्तर कोरिया, तानाशाह किम जोंग उन ने भी माना,

सियोल।उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने प्योंगयांग में एक बड़े राजनीतिक सम्मेलन में अपनी सत्तारूढ़ पार्टी के हजारों जमीनी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए माना कि उनका देश ''बहुत खराब दौर'' से गुजर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर कोरिया में किम के शासन का एक दशक पूरा होने जा रहा है और पहले से ही अस्थिर उसकी अर्थव्यवस्था कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए लॉकडाउन तथा अमेरिका के प्रतिबंधों के कारण और चरमरा गई है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि किम ने मंगलवार को वर्कर्स पार्टी के शाखा सचिवों की बैठक में ये टिप्पणियां कीं।

किम ने कहा, ''अब तक की सबसे खराब स्थिति में लोगों की जिंदगियों को बेहतर बनाना शाखाओं, पार्टी के जमीनी संगठनों द्वारा निभाए जाने वाली भूमिका पर निर्भर करता है।इस स्थिति में हमें कई अभूतपूर्व चुनौतियों से उबरना है।'' उन्होंने पार्टी सदस्यों से जनवरी में हुई कांग्रेस में लिए फैसलों को लागू करने का भी अनुरोध किया जब उन्होंने अमेरिकी दबाव के बावजूद परमाणु क्षमता बढ़ाने का आह्वान किया था और नयी पंचवर्षीय राष्ट्रीय विकास योजना की घोषणा की थी।

ब्राजील में कोविड-19 का कहर! 24 घंटे के अंदर कोरोना वायरस से 4,195 लोगों की मौत

साओ पाउलो। ब्राजील में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 से सर्वाधिक 4,195 लोगों की मौत हुई। इससे पहले केवल दो देशों में एक दिन में वायरस से मौत के चार हजार से अधिक मामले सामने आए थे। ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि देश में पिछले 24 घंटे में 4,195 लोगों की कोरोना वायरस से मौत हुई है।

देश में मृतक संख्या 3,40,000 के पास पहुंच गई है, जो अमेरिका के बाद सबसे अधिक है। अभी तक अमेरिका और पेरू में ही एक दिन में वायरस से मौत के चार हजार से अधिक मामले सामने आए हैं। आंकड़ों के अनुसार, ब्राजील के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य साओ पाउलो में पिछले 24 घंटे में वायरस से करीब 1,400 लोगों की मौत हुई।

पाकिस्तान और रूस ने की रक्षा और आतंकवाद रोधी मामलों में सहयोग की समीक्षा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और उनके रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव ने यहां बुधवार को व्यापक वार्ता की और आतंकवाद विरोधी कदमों, सुरक्षा और ऊर्जा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय में कुरैशी ने लावरोव का स्वागत किया। लावरोव 2012 के बाद से पाकिस्तान आने वाले पहले रूसी विदेश मंत्री हैं। लावरोव ने मंत्रालय के परिसर में पौधारोपण किया और इसके बाद वह संयुक्त फोटो खिंचवाने के लिए इमारत के भीतर गए। इसके बाद प्रतिनिधि स्तर की वार्ता हुई।

कुरैशी ने ट्वीट किया, ''शानदार बैठकों के लिए विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का स्वागत करके आज बहुत खुशी हुई। रूस के साथ बहुआयामी संबंध स्थापित करना पाकिस्तान की अहम प्राथमिकता है और हमारा मानना है कि एक मजबूत संबंध क्षेत्रीय स्थिरता एवं वैश्विक सुरक्षा में योगदान देता है।'' उन्होंने वार्ता की जानकारी देते हुए कहा, ''हमने आर्थिक कूटनीति को और प्रोत्साहित करने तथा पाकिस्तान-स्ट्रीम गैस पाइपलाइन परियोजना समेत ऊर्जा सहयोग के क्षेत्र में प्रगति पर चर्चा की।'' कुरैशी ने कहा, ''हमने आतंकवाद रोधी कदमों समेत सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग की समीक्षा की।'' पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने शिक्षा समेत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के जरिए लोगों के बीच आपसी संपर्क बढ़ाने की आवश्यकता पर सहमति जताई। उन्होंने कहा, ''हम शंघाई सहयोग संगठन की रूपरेखा के तहत आपसी सहयोग को बढ़ाएंगे।'' कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान और रूस, अफगानिस्तान में शांति एवं स्थिरता समेत कई मामलों पर साझा रुख रखते हैं। उन्होंने रूसी विदेश मंत्री के समक्ष कश्मीर का मामला भी उठाया।

पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने दक्षिण एशिया में शांति एवं सुरक्षा के मामलों और ''जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकार संबंधी हालात'' को लेकर अपना नजरिया लावरोव के साथ साझा किया। उन्होंने ट्वीट किया, ''हमें उम्मीद है कि यह यात्रा हमारी मित्रता को और गहरा करेगी तथा हम उच्चस्तरीय संपर्क के जरिए विविध क्षेत्र में हमारे संबंधों को विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' अधिकारियों ने बताया कि कि दोनों विदेश मंत्रियों ने बहुआयामी संबंधों में विस्तार देने के लक्ष्य से द्विपक्षीय हितों के विभिन्न विषयों पर गहराई से चर्चा की। रूसी विदेश मंत्री पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और अन्य पदाधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। वह पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा से भी मुलाकात कर सकते हैं। इससे पहले, रूसी विदेश मंत्रालय ने लावरोव की इस्लामाबाद की यात्रा संबंधी आधिकारिक बयान में कहा कि पाकिस्तान रूस का अहम विदेश नीति साझेदार है और अंतरराष्ट्रीय संगठनों, मुख्य रूप से संयुक्त राष्ट्र एवं उसकी एजेंसियों में उसके साथ उपयोगी वार्ता हुई है। लावरोव भारत की यात्रा करने के बाद मंगलवार को दो दिवसीय यात्रा पर पाकिस्तान पहुंचे।

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में भारत एक बड़ा भागीदार: अमेरिकी राजदूत

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

जलवायु संबंधी मामलों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के विशेष दूत जॉन केरी ने बुधवार को कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक मंच पर एक बड़ा भागीदार है। केरी ने कहा कि भारत द्वारा उठाए जाने वाले निर्णायक कदम अब यह निर्धारित करेंगे कि आगामी पीढ़ियों के लिए इस परिवर्तन के क्या मायने होंगे। उन्होंने कहा कि लैंगिक समानता और महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा दिया जाना न सिर्फ आर्थिक वृद्धि और सतत विकास के लिए अहम है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने 'साउथ एशिया विमेन इन एनर्जी' (एसएडब्ल्यूआईई) के डिजिटल कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन से निपटने के संदर्भ में भारत-अमेरिका के संबंधों और आपसी समन्वय पर टिप्पणी करते हुए कहा, '' भारत वैश्विक मंच पर बड़ा भागीदार है।'' एसएडब्ल्यूआईई भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) और अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) की संयुक्त पहल है और ऑनलाइन प्रारूप में इसका पहला 'लीडरशिप समिट' (नेतृत्व शिखर सम्मेलन) आयोजित किया गया। केरी ने कहा, '' बाकी दुनिया की साझेदारी से भारत द्वारा उठाया गया निर्णायक कदम यह तय करेगा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए इस बदलाव के क्या मायने होंगे।'' इस सम्मेलन में भारत, अमेरिका और दक्षिण एशिया के कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, कारोबारी जगत के नेता और विशेषज्ञों ने पर्यावरण से संबंधित स्थिरता के प्रयासों को तेज करने और जलवायु संकट से लड़ने में लैंगिक समानता की भूमिका पर चर्चा की। यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश अघी ने कहा, '' हमें कोरोना वायरस की तरह ही जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने के लिए भी तत्काल कार्य योजना की जरूरत है।

अगर चीन ने हमला किया तो ताइवान 'आखिरी दिन तक लड़ेगा', विदेश मंत्री का बड़ा बयान

ताइपे। (एजेंसी)।

ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू ने बुधवार को कहा कि अगर चीन ने हमला किया तो द्वीप अंतिम दिन तक अपनी रक्षा करेगा। जोसेफ वू ने कहा कि सैन्य धमकी के साथ सुलह के चीन के प्रयासों से द्वीप के निवासियों को मिश्रित संकेत मिल रहे हैं। चीन दावा करता है कि ताइवान उसका भूभाग है। वू ने कहा कि सोमवार को ताइवान के हवाई क्षेत्र में चीन के 10 युद्धक विमानों ने उड़ान भरी और ताइवान के पास उसने अभ्यास के लिए एक विमान वाहक समूह को तैनात किया है। वू ने संवाददाताओं से कहा, हम बिना किसी सवाल के, अपना बचाव करने के लिए तैयार हैं। अगर हमें युद्ध लड़ने की जरूरत हुयी तो हम युद्ध लड़ेंगे, और अगर हमें आखिरी दिन तक अपना बचाव करना पड़ा तो हम अपना बचाव करेंगे। चीन ताइवान की लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित सरकार को मान्यता नहीं देता है, और चीनी नेता शी चिनफिंग ने कहा है कि दोनों के ''एकीकरण को अनिश्चितकाल के लिए नहीं टाला जा सकता है। वू ने मंत्रालय की एक ब्रीफिंग में कहा, वे एक ओर अपनी संवेदनाएं भेजकर ताइवान के लोगों को आकर्षित करना चाहते हैं, लेकिन वहीं वे ताइवान के करीब अपने सैन्य विमान और सैन्य पोतों को भी भेज रहे हैं ताकि ताइवान के लोगों को भयभीत किया जा सके। वू ने कहा, चीन ताइवानी लोगों के लिए मिश्रित संकेत भेज रहा है...।'' चीन की सैन्य क्षमताओं में भारी सुधार और ताइवान के आसपास उसकी बढ़ती गतिविधियों ने अमेरिका की चिंताएं बढ़ा दी हैं, जो कानूनी रूप से यह आश्वासन देने के लिए बाध्य है कि ताइवान खुद का बचाव करने में सक्षम है। ताइवान और चीन 1949 में गृह युद्ध के बीच अलग हो गए थे तथा ताइवान के अधिकतर लोग मुख्य भूमि के साथ मजबूत आर्थिक आदान-प्रदान जारी रखते हुए वास्तविक स्वतंत्रता की मौजूदा स्थिति को बनाए रखने के पक्ष में हैं।

अमेरिका में 19 अप्रैल से हर वयस्क को लगेगा कोरोना टीका: जो बाइडन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि देश में 19 अप्रैल से हर वयस्क टीकाकरण के लिए पात्र होगा। इससे पहले सभी वयस्कों के लिए टीकाकरण अभियान को शुरू करने की तारीख एक मई तय की गयी थी। राष्ट्रपति ने मंगलवार को यह घोषणा ऐसे वक्त की जब अमेरिका में कोविड-19 के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। कोविड-19 के मामलों पर नजर रखने वाले जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय के मुताबिक अमेरिका में संक्रमण के 3,08,46,300 मामले आ चुके हैं और 5,56,500 लोगों की मौत हो चुकी है। बाइडेन ने कहा, ''जब तक हम महामारी पर काबू नहीं पा लेते और अपने अभियान में सफल नहीं हो जाते तब तक यह जरूरी है कि हर कोई अपने हाथों को धोए, सामाजिक दूरी का पालन करे और मास्क पहने।'' बाइडन ने कहा कि 19 अप्रैल से हर वयस्क टीका लगवा सकेगा और टीकाकरण अभियान का विस्तार होगा। राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस में घोषणा की कि 19 अप्रैल से 18 साल या उससे अधिक उम्र का हर कोई टीका लगवाने का पात्र होगा। उन्होंने कहा, ''अब कोई भ्रामक नियम नहीं। और अधिक भ्रामक पाबंदी नहीं।'' बाइडन ने कहा कि अमेरिका वायरस के खिलाफ जंग में अब भी संघर्ष कर रहा है और उनके प्रशासन ने महज 75 दिन के भीतर रिकॉर्ड 15 करोड़ लोगों का टीकाकरण किया है। राष्ट्रपति ने अपने प्रशासन के शुरुआती 100 दिन के भीतर 10 करोड़ लोगों के टीकाकरण का लक्ष्य रखा था, लेकिन महज 75 दिन के भीतर रिकॉर्ड 15 करोड़ लोगों का टीकाकरण हो चुका है। बाइडन ने अब अपने प्रशासन के पहले 100 दिन में 20 करोड़ देशवासियों के टीकाकरण का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, ''मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम अभी जीत की कगार पर नहीं पहुंचे हैं। अभी बहुत कुछ करना बाकी है। जब तक अधिक से अधिक लोगों का टीकाकरण नहीं होता, तब तक अपने हाथों को धोएं, सामाजिक दूरी का पालन करें और मास्क पहनें।'' उन्होंने कहा, ''इसे ऐसे सोचें कि अच्छा समय आने वाला है और मैंने पहले भी कहा था कि जुलाई तक हम एक सुरक्षित, खुशहाल माहौल में अपने परिवार और दोस्तों के साथ छोटे समूहों में खुशी के पल बिता सकेंगे, लेकिन वास्तविक सवाल यह है कि तब तक हमें कितनी और मौतें, बीमारियां और दुख देखना बाकी है?'' बाइडन ने कहा कि नए मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है और अस्पतालों में मरीज बढ़ रहे हैं। राष्ट्रपति ने वाशिंगटन डीसी के वर्जीनिया उपनगर में एक टीकाकरण केंद्र का दौरा करने के दौरान भारतीय मूल की एक प्रवासी सेविया खान से मुलाकात की। राष्ट्रपति के पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि वह भारत से हैं। सेविया ने कहा, ''वह कई बार भारत जा चुकी हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैंने यहां अपने तीन बच्चों को पाला है। एक ग्रेजुएट है और एक ग्रेजुएट होने वाला है, वहीं तीसरा 11वीं कक्षा में है। मुझे अमेरिकी नागरिक होने पर गर्व है।'' बाइडन ने कहा, ''आप ही अमेरिका हैं। अमेरिका प्रवासियों का देश है। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की मां भी भारत से थीं।

उत्तर कोरिया का दावा, डब्ल्यूएचओ से कहा- देश में कोरोना का एक भी मामला नहीं

सियोल। उत्तर कोरिया ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को पेश की कई अपनी हालिया रिपोर्ट में दावा किया है कि देश अब भी कोरोना वायरस से मुक्त है। उत्तर कोरिया ने करीब एक साल पहले संक्रमण की शुरुआत में देश को महामारी से मुक्त रखने के प्रयास को ''राष्ट्र के अस्तित्व का सवाल'' करार दिया था। उत्तर कोरिया ने अपनी सीमाएं बंद कर रखी हैं, पर्यटकों के आगमन पर रोक है और राजनयिकों को भी देश से बाहर किया जा चुका है। संक्रमण के लक्षण वाले हजारों लोगों को पृथक-वास में रखा गया है, लेकिन इसके बाद भी उत्तर कोरिया का कहना है कि उसके देश में कोविड-19 का एक भी मामला सामने नहीं आया। यह एक ऐसा दावा है, जिस पर भरोसा करना मुश्किल है क्योंकि उत्तर कोरिया की स्वास्थ्य प्रणाली अच्छी स्थिति में नहीं है और देश का कारोबार भी संक्रमण से प्रभावित चीन के साथ है और यह कारोबार उसकी अर्थव्यवस्था के लिए जीवन रेखा के समान है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के उत्तर कोरिया के प्रतिनिधि एडविल सल्वाडोर ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बुधवार को बताया कि उत्तर कोरिया ने कहा है कि उसने महामारी की शुरुआत से एक अप्रैल तक 23,121 लोगों की जांच की है, लेकिन इनमें से कोई भी संक्रमित नहीं पाया गया। सल्वाडोर ने कहा कि उत्तर कोरिया ने 26 मार्च से एक अप्रैल के बीच 732 लोगों की जांच की।

इंडोनेशिया में भारी बारिश से मृतकों की संख्या 126 हुई, दर्जनों लापता

लेम्बाता। पूर्वी इंडोनेशिया में भूस्खलन और बाढ़ की घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या 126 तक पहुंच गई है और दर्जनों लोग अब भी लापता हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संबंधित क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही है जिससे खोज अभियान में बाधा आ रही है। अदोनारा द्वीप के ईस्ट फ्लोरेस जिले में सर्वाधिक जनहानि हुई है जहां अब तक 67 शव बरामद हो चुके हैं और छह लोग लापता हैं। इस क्षेत्र में हुई घटना में रविवार सुबह पास की पहाड़ियों से मलबा गिर पड़ा जिसकी चपेट में कई लोग आ गए। हादसे के समय ये लोग सोए हुए थे। रात भर हुई बारिश के चलते नदियों के तट टूट गए और अचानक आई बाढ़ में कई लोग बह गए। इंडानेशिया की राष्ट्रीय आपदा मोचन इकाई के अनुसार, पास के लेम्बाता द्वीप पर चक्रवात 'सेरोजा' के चलते हुई बारिश के कारण नवंबर में फटे एक ज्वालामुखी के लावा के प्रवाह में तेजी आ गई और इसकी चपेट में एक दर्जन से अधिक गांव आ गए। इस घटना में कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई और 44 अन्य के बारे में कोई जानकारी नहीं है। सैकड़ों सुरक्षाकर्मी और आम लोग इस उम्मीद के साथ मलबे में लोगों को तलाशने में लगे हैं कि कहीं कोई जीवित मिल जाए। अधिकारियों के अनुसार इंडोनेशिया में विभिन्न द्वीपों पर भूस्खलन और बाढ़ की घटनाओं में कम से कम 126 लोगों की मौत हुई है। वहीं, पास के ईस्ट तिमोर में भी 27 लोगों की मौत की खबर है। हजारों घर नष्ट हो गए हैं और इसके चलते हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। मौसम के कम से कम शुक्रवार तक खराब रहने का पूर्वानुमान है और तूफान दक्षिण में ऑस्ट्रेलिया की तरफ बढ़ गया है। लगातार जारी बारिश और प्रभावित क्षेत्रों के दूर-दराज में होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में बाधा आ रही है। अनेक स्थानों पर सड़कें और पुल नष्ट हो गए हैं।

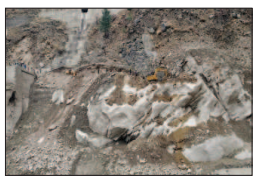

पाकिस्तान में गरीबों को कोरोना से मरता छोड़ वीवीआईपी के लिए एयरक्राफ्ट खरीद रहे इमरान खान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री इमरान खान लगातार पाकिस्तान में सुशासन का दावा करते हैं। हालांकि उनके इस दावे की बुधवार को हवा निकल गई। एक लीक हुए सरकारी दस्तावेज से पता चला है कि इमरान सरकार पाकिस्तान की जनता के लिए कोरोना वायरस के टीके खरीदने की जगह, वीवीआईपी के लिए विमान खरीदने के लिए पैसा खर्च कर रही है।

पश्तून मीडिया के एक ट्विटर हैंडल के अनुसार, 'पाकिस्तान ने अपनी गरीब आबादी के लिए टीके खरीदने के लिए एक पैसा नहीं दिया है लेकिन वीवीआईपी एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए करीब 20 लाख अमेरिकी डॉलर खर्च कर रही है।'

वीवीआईपी विमानों के बारे में जानकारी साउथ एशिया प्रेस द्वारा साझा की गई थी। ट्वीट में कहा गया है, "@SouthAsiaPress के हाथ लगे एक गुप्त पाकिस्तानी सरकारी दस्तावेज से पता चलता है कि कैबिनेट डिवीजन वीवीआईपी विमान पर अतिरिक्त 0.3 बिलियन रुपये (करीब 20 लाख अमेरिकी डॉलर) खर्च करने के लिए कल एक स्वीकृति देगा। इस विमान का उपयोग पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान और राष्ट्रपति के द्वारा किया जाएगा।÷

आपको बता दें कि सरकारी दस्तावेज पर 6 अप्रैल 2021 की तारिख दर्ज है। इसमें कहा गया है कि मंत्रिमंडल की आर्थिक समन्वय समिति की बैठक बुधवार 7 अप्रैल, 2021 को होगी। इस पत्र के अनुसार, वित्त और राजस्व मंत्री बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

आपको बता दें कि पाकिस्तान में कोरोनो वायरस के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। वहीं, टीकाकरण के लिए लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। पिछले 24 घंटों की बात करें तो पाकिस्तान में 3,953 नए मामले सामने आए। देश में कोनिड़-19 मामलों की कुल संख्या 6,96,184 हो गई है।

रमजान से पहले कोविड़-19 के प्रसार पर बढ़ती चिंताओं के बीच, पाकिस्तान ने पिछले रविवार को 3,568 कोरोना वायरस रोगियों की रिपोर्ट की थी। महामारी शुरू होने के बाद से यह सबसे अधिक संख्या है।

संपादकीय

चुनाव आयोग से अपेक्षा

किसी भी लोकतंत्र की सफलता उसके जनादेश की शुचिता से तय होती है। और इसी पवित्रता को सुनिश्चित करने के लिए दुनिया भर के लोकतंत्रों ने तमाम तरह के प्रयोग-इंतजामात भी किए हैं। भारतीय चुनाव आयोग ने बैलेट पेपर से ईवीएम और फिर वीवीपैट तक का सफर तय किया। कभी एक-दो चरण में निपटने वाले चुनाव अब आठ-नौ चरणों में इसीलिए होते हैं, ताकि इस विशाल लोकतंत्र में हाशिये के मतदाता भी बेखौफ होकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकें। कोई असामाजिक तत्व जनादेश की पवित्रता न नष्ट कर सके। लेकिन पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान तंत्र की जो अनियमितताएं सामने आई हैं, वे न केवल निर्वाचन आयोग की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाती हैं, बल्कि लोकतंत्र में आम आदमी की आस्था को भी डिगाती हैं। पहले असम में भाजपा उम्मीदवार की गाड़ी से ईवीएम का पाया जाना, फिर वहीं के हाफलौंग विधानसभा क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर कुल पंजीकृत मतदाताओं से लगभग दोगुना वोट गिर जाना और अब पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के एक नेता के यहां से ईवीएम व वीवीपैट की बरामदगी बताती है कि ये लापरवाहियां कितनी गंभीर हैं। इन तीनों ही मामलों में चुनाव आयोग ने संबंधित दोषी अधिकारियों को निलंबित किया है, पर आयोग के लिए यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी कोई गड़बड़ी फिर सामने न आए। इन अनियमितताओं के अलावा भी उसके कतिपय फैसलों का लोगों में संदेश अच्छा नहीं गया। आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में पहले असम के स्वास्थ्य मंत्री हेमंत बिस्व सरमा के 48 घंटे तक प्रचार करने पर रोक लगाई गई थी और फिर अगले ही दिन प्रतिबंध की अवधि घटाकर 24 घंटे कर दी गई। अगर सरमा के खिलाफ शिकायत गंभीर नहीं थी, तो फिर उनके विरुद्ध ऐसा कदम ही क्यों उठाया गया? हम नहीं भूल सकते कि आयोग ने सख्त नजीरों से ही अपनी साख अर्जित की है। चुनाव आयोग का काम काफी चुनौतीपूर्ण है, इससे कौन इनकार कर सकता है? लेकिन देश के आम चुनाव के मुकाबले ये तो फिर भी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं। आयोग को अपने पर्यवेक्षकों के स्तर पर अधिक काम करने की जरूरत है। मतदानकर्मियों को बेहतर प्रशिक्षण देने की भी आवश्यकता है। देश में चुनाव प्रचार इन दिनों जितने कटु होते जा रहे हैं, उसे देखते हुए आयोग को आचार संहिता को सख्ती से लागू करना होगा। भारतीय चुनावों की वैश्विक प्रतिष्ठा देश के लिए गर्व की बात है, इसकी हर हाल में रक्षा की जानी चाहिए। आला अदालत और चुनाव आयोग जैसे अब चंद ही सांविधानिक संस्थान ऐसे बचे हैं, जिन पर भारतीयों का भरोसा कायम है। इस भरोसे की रक्षा की जिम्मेदारी इनके कर्ता-धर्ताओं के ऊपर ही है। लोकतंत्र में जनता जिन संस्थाओं से शक्ति अर्जित करती है, उनकी मजबूती कितनी जरूरी है, हाल ही में हमने अमेरिका में देखा है। चुनाव आयोग के लिए यह कम चुनौतीपूर्ण नहीं है कि वह सभी राजनीतिक पार्टियों, उम्मीदवारों को एक बराबर मैदान मुहैया कराए। मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक आने के लिए उत्साहित करने में पार्टियों के प्रचार से कहीं बड़ी भूमिका आयोग में भरोसे की है। इसलिए चुनाव आयोग को इन चूकों से पार पाते हुए अपने लिए लगातार ऊंचा लक्ष्य रखना होगा।

आज के ट्वीट

मूल्यांकन

बच्चों के पीछे इसलिए भागना पड़ता है क्योंकि उनकी रफ्तार हमसे ज्यादा है। बच्चों को बताने, सिखाने, संस्कार देने की जिम्मेदारी परिवार की ही है, लेकिन कई बार बड़े होने के साथ हमें भी मूल्यांकन करना चाहिए।

- पीएम

पकृति और पर्यावरण 'हम पेड़ों को काटते हैं, वे रोज लगाते हैं'

(लेखक- प्रभुनाथ शुक्ला)

पर्यावरण और उसकी संरक्षा हमारे लिए बड़ी चुनौती है। पर्यावरण को लेकर पूरी दुनिया अति संवेदनशील है, लेकिन वास्तविक जीवन में उसका असर बेहद कम दिख रहा है। मानव प्रकृति से बिल्कुल दूर जाता दिख रहा है, जिसका नतीजा है कि हम प्रकृति की नाराजगी झेलने को मजबूर हैं। हाल ही में उत्तराखंड में आए प्राकृतिक जलजले से हमें सबक लेना चाहिए। अंधी विकास की होड़ से बचना चाहिए। अगर हम ऐसा नहीं कर पाए तो हमारे सामने आंधी-तूफान, बाढ़, अकाल और पहाड़ों के खींसकने की घटनाएं घटती रहेंगी। भोगवादी संस्कृति और विकास की दौड़ से बचना होगा। प्रकृति और पर्यावरण के साथ सामंजस्य बनाना होगा। विकास की आड़ में जंगलों का सफाया हो रहा है। जिसकी वजह से वनों में रहने वाले प्राणियों की प्राकृतिक श्रृंखला बिखर रही है। जंगलों में रहने वाले हिंसक जानवर मानव बस्तियों में घूसपैठ कर रहे हैं। गर्मी का मौसम शुरु होने के साथ ही जल संकट गहरा गया है। जल संकट एक वैश्विक समस्या बनती जा रही है। क्योंकि जल का दोहन व्यापारिक लाभ के लिए होने लगा कृषि के अलावा दूसरे क्षेत्रों में भी जल की खपत अधिक बढ़ गई है। अब बड़ी-बड़ी कंपनिया पानी बेंचने का धंधा कर रही हैं। दूसरी सबसे बड़ी समस्या जल का अनियंत्रित दोहन किया होना है। पर्यावरण की चुनौती से बचने के लिए हमने कोई खाका तैयार ही नहीं किया है। अगर तैयार भी किया है तो वह धरातल पर नहीं है। पर्यावरण संरक्षण का नारा सिर्फ मीडिया और मंचों तक सीमित हो गया है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार एक दिन में सबसे अधिक पौध रोपड़ का रिकार्ड भी पिछले साल बना चुकी है। गिनीज बुक में भी सरकार की उपलब्धियां दर्ज हो चुकी हैं। लेकिन जितने वृक्ष लगाए गए थे उनमें आज कितने हरेभरे हैं यह अपने आप में बड़ा सवाल है। क्योंकि पेड़ तो लगा दिए जाते हैं, लेकिन उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं दिखता है। वृक्षारोपड़ के नाम पर सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये कागजी हरियाली की भेंट चढ़ जाते हैं, लेकिन पेड़ लगाने के बाद सरकार और उसकी एजेंसियां उधर कभी मुड़कर भी नहीं देखती हैं। देश में भर में पर्यावरण संरक्ष अभियान में अब तक जीतने पेड़ लगें है वर्तमान समय में उनकी स्थिति क्या है यह कोई नहीं बता सकता है। पर्यावरण संरक्षण के नाम पर सिर्फ कागजी नाटक किया जाता है। वृक्ष लगाने के लिए सरकारी खजाने से भारी भरकम बजट खारिज किया जाता है, हर अभियान में उसी स्थान विशेष पर पेड़ लगाए जाते हैं, लेकिन वहां कभी हरियाली दिखती ही नहीं है। पर्यावरण संरक्षण को लेकर समाज में कुछ व्यक्तियों की पहल काबिलेगौर है। उत्तराखंड में कभी आपने चिपको आनंदोलन के प्रणेता सुंदरलाल बहगुणा का नाम सुना होगा। पहाड़ पर जंगलों को बचाने के लिए उन्होंने पेड़ों से चिपकने का आंदोलन चलाया, जिसे चिपको आंदोलन के नाम से जाना जाता है। लोग पेड़ों से लिपट जाते थे और वृक्षों को काटने से मना करते थे। लेकिन आज के दौर में सरकारें खुद जंगलों का सफाया कर रही हैं। बुलेट रेल के लिए मुंबई के आरे कालोनी में पेड़ो की कटाई का मसला अदालत तक पहुंच गया था। पर्यावरण संरक्षण को हम जनमुहिम नहीं बना पाए। क्योंकि इसके कई पहलू हैं जिसकी वजह से सरकारों के हाथ बंधे होते हैं। लेकिन हमारे आसपास के कुछ लोग पूरी तन्मयता से पर्यावरण संरक्षण को लेकर लगे हैं, ऐसे लोगों के प्रोत्साहन के लिए सरकारें और समाज कुछ खास नहीं कर पा रहे हैं यह चिंता का विषय है, लेकिन इसकी परवाह किए बगैर ऐसे लोग अपने काम में लगे हैं। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में एक शिक्षक पर्यावरण संरक्षण के लिए मिसाल बना है। उसे लोग 'ट्री-मैन' के नाम से बुलाते हैं। जूनियर हाईस्कूल में शिक्षक अशोक गुप्ता हर रोज वृक्षारोपण करते हैं। उन्होंने 'सवा करोड़' वृक्ष लगाने का संकल्प लिया है। अक्तूबर 2017 से इस मुहिम में लगे हैं। अब तक उन्होंने 1267 दिन में 7000 से अधिक वृक्षों का रोपड़ किया है। वह शिक्षक के साथ अंतर्राष्टीय एथलीट भी हैं। उन्होंने एशियाई और दूसरे खेलों में कई पदक भी जीते हैं। शिक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें राष्ट्रपति से 'शिक्षक पुरस्कार' भी मिल चुका है। अशोक गुप्ता के सामाने देश, काल और परिस्थितियां चाहे जो भी हों, वह पर्यावरण का दायित्व कभी नहीं भूलते हैं। देश में हो या विदेश में इसकी परवाह किए बगैर वह वृक्षारोपड़ जरुर करते हैं। उत्तर प्रदेश के अलावा वह दिल्ली, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडू, महाराष्ट्र समेत देश के दूसरे राज्यों में भी वृक्षारोपड़ कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने सिंगापुर और मलेशिया में भी वृक्ष लगाएं हैं। शिक्षक अशोक कुमार ने बताया किया एक बार वह खेल के सिलसिले में सिंगापुर गए थे। वहां हवाई अड्डे पर उतरने के बाद पेड़ लगाने लगे जिस पर वहां की एयरपोर्ट एथारिटी ने विरोध किया। लेकिन जब उन्होंने अपना संकल्प बताया तो एथारिटी के लोग बेहद खुश हुए और उनका सहयोग किया। लोग उन्हें 'इंडियन ट्री-मैन' के नाम से पुकारा। उन्होंने बातया कि वे जहां-जहां पेड़ लगाते हैं वहां रविवार या छुट्टियों में अपने दोनों बेटों दुर्गाप्रसाद और आशुतोष के साथ जाते हैं। उन्हें पानी देते हैं और लोगों से पेड़ों की देखभाल करने की गुहार लगाते हैं। अभी तक उन्होंने जितने पेड़ लगाए हैं उनमें 80 फीसदी वृक्ष हरे-भरे हैं। इस कार्य से उन्हें बेहद शकून मिलता है। किसी व्यक्ति की तरफ से अगर उन्हें पेड़ों का सहयोग मिल गया तो ठीक है नहीं वह अपने पैसे से खरीद कर फलदार और छायादार वृक्षों को लगाते हैं। पर्यावरण संरक्षण को लेकर उनके अंदर इतनी अधिक प्रेरणा है कि वह अपनी परिवारीक पीड़ा को भी भूल जाते हैं। कुछ साल पूर्व उनकी मां का निधन हो गया। वह गंगा घाट पर मां की चिता में मुखाग्नि देने के बाद जब संस्कार से निवृत्त हो गए तो खुद गंगा घाट पर पेड़ लगाया। उनके इस लगन को देख अंतिम संस्कार में गए लोगों की आंखों नम हो गई और सभी लोग उनके पर्यावरण के मुरीद हो गए। वहां मौजूद लोगों ने कहा, आप इंसान नहीं देवदूत हैं। आप अपनी पीड़ा भूल कर प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण में तल्लीनता से लगे हैं। पर्यावरण संरक्षण के उनके कार्य को देखते हुए स्थानीय स्तर पर कई सम्मान और पुरस्कार भी मिले हैं। पर्यावरण उपलब्धियों को देखते हुए 'लायंस क्लब' ने उन्हें वृक्ष पुरुष की उपाधि से नवाजा है। भारत सरकार के जलशक्ति मिशन की तरफ से उन्हें 'भदोही का ब्रांड अंबेसडर' भी घोषित किया है।

लेकिन जिला प्रशासन की तरफ से अभी इसका खिताब उन्हें नहीं मिल पाया है। उनका पूरा समय शिक्षण और पर्यावरण संरक्षण में बीतता है। अपने घर में उन्होंने खुद एक छोटी नर्सरी सजा रखी है। सड़क पर बेकार पड़े 'पालीथिन' का उपयोग वह नर्सरी के लिए करते हैं। सरकार और संस्थाओं की तरफ से ऐसी व्यक्तियों का पूरा सम्मान और सहयोग मिलना चाहिए। समाज में उनकी उपलब्धियों को पहुंचाना चाहिए। इस तरह के प्रशंसनीय कार्य करने वाले पर्यावरण हितैषी को पद्मश्री भले न मिले लेकिन 'पर्यावरण रत्न' तो मिलना चाहिए। समाज के लिए इनका योगदान अतूलनीय है।

ज्ञान गंगा

मिल-जुल कर रहें

श्रीराम शर्मा आचार्य

यह उदाहरण कोई अपवाद नहीं। 'एल्गी' जाति के 'प्रोटोंकोकस' पोधे और फंगस जाति के एक्टीनो माइसिटीज' पौधे भी आपस में मिलकर एक दूसरे को बहुत सुन्दर ढंग से पोषण की वस्तुएं प्रदान करते है। हमें शिक्षा ज्ञान देता है पर हम अपनी अनपढ़ धर्मपत्नी या अशिक्षित पड़ौसी के लिए एक घण्टा भी नहीं निकाल सकते, हमारे माता-पिता हम जब बच्चे थे, तब आधे पेट गीले वस्त्रों में सोकर हमारी परवरिश करते थे, पर आज जब वे वृद्ध हो गए, तब हम उनकी क्या उतनी सेवा कर पाते हैं? दुकानदार, रेल वाला, बस वाला, सारा संसार यों कहिये अपनी सेवाएं हमें देने को तत्पर है, तब यदि हम दूसरों को धोखा देने की बात सोचें कृतघ्नता दिखायें तो ऐसे व्यक्ति से नीच और घृणित कौन होगा? पौधों का क्या अस्तित्व, पर वे मनुष्य जाति से अच्छे हैं। ऊपर के दोनों पौधे मिलकर एक चपटे आकार का ढांचा बना लेते हैं, उसे 'जूलॉजी' में 'लाइकन' कहते हैं। इसमें से होकर एल्गी की जड़ें फंगस के पास पहुंचती है और फंगस की एल्गी के पास। एल्गी के पास जिस तत्व की कमी होती है, उसे फंगस पूरा कर देता है और फंगस की कमी को एल्गी-दोनों के आदान-प्रदान में यह थैला भी विकसित होता रहता है। औरों के कल्याण में अपना कल्याण, सबकी भलाई में अपनी भलाई अनुभव करने वाले समाज इसी तरह विकास और वृद्धि करते हैं और अपने साथ उन छोटे-छोटे दीन-हीन व्यक्तियों को भी पार कर ले जाते हैं, जो सहयोग के अभाव में दबे पड़े पिसते रहते हैं। स्कॉरपियन नामक एक मछली अपने शरीर के ऊपर छोटे-छोटे हाइड्रा जाति के जीवों को फलने-फूलने देती है, वे छोटे-छोटे जन्तु हजारों की संख्या में एक सिरे से दूसरे सिरे तक पूरी सतह में फैले रहते हैं। देखने में यह हरे रंग के होते हैं। मछली के शरीर के ऊपर इनका पूरी तरह पोषण होता रहता है। जब एक अविकसित मछली दूसरे दीन-दुर्बलों की सहायता में इतना योगदान दे सकती है, तो हम समाज के दलित माने-जाने वाले वगरे हरिजनों, आदिवासियों, दहेज के अभाव में पीड़ित बहनों, दवा के अभाव में पिसते रोगियों के लिए कल्याण की योजनाएं क्यों नहीं बना सकते। जीव-जीव, पेड़-पौधों तक में जब एक दूसरे के प्रति सेवा और सहयोग का भाव पनप रहा हो, तब मनुष्य जाति उससे पीछे हटे, यह उसका दुर्भाग्य ही कहना चाहिए।

मतदाताओं को लालच देने की प्रवृत्ति

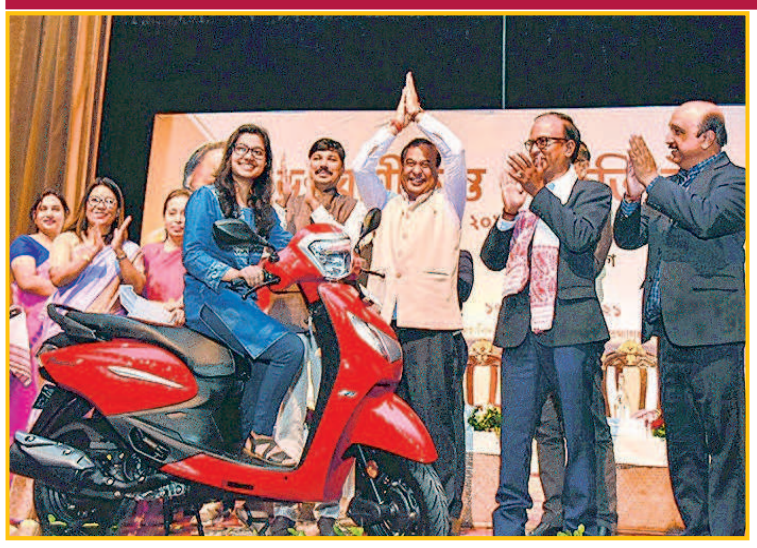

अनूप भटनागर

न्यायपालिका की फटकार और निर्देशों के बावजूद राजनीतिक दल सत्ता हासिल करने के लिये चुनावों में मतदाताओं को तरह-तरह का प्रलोभन देने से बाज नहीं आ रहे हैं। लगता है कि अब मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिये उन्हें तरह-तरह की मुफ्त सुविधायें और प्रलोभन देने की बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिये पुख्ता कानून बनाने का समय आ गया है। राजनीतिक दलों और चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों के वादों और घोषणापत्रों को देखकर कई बार सवाल उठता है कि ये देश और राज्य के कल्याण के बारे में संकल्प पत्र हैं या फिर मतदाताओं को खुलेआम रिश्वत देने की पेशकश करने के प्रलोभन पत्र हैं। क्या इस तरह के वादे जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत भ्रष्ट आचरण के दायरे में नहीं आने चाहिए? अगर पहली नजर में ये भ्रष्ट आचरण लगते हैं तो फिर निर्वाचन आयोग इन पर अंकुश क्यों नहीं लगा रहा है? चुनाव के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिये मुफ्त में टेलीविजन, मंगलसूत्र, प्रेशर कुकर और ऐसी ही अनेक वस्तुयें देने के वादों का सिलसिला तमिलनाडु से शुरू हुआ। आगामी चुनाव में एक प्रत्याशी ने मतदाताओं को आईफोन देने, तीन मंजिले घर देने और उन्हें चांद की सैर कराने जैसे वादे किये हैं। चुनाव के दौरान राजनीतिक दल बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिये हर साल लाखों लोगों को रोजगार देने से लेकर सत्ता में बने रहने के लिये बिजली और पानी तक मुफ्त देने का वादा करने में संकोच नहीं कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या चुनाव जीतने के बाद राजनीतिक दलों के पास इन वादों को पूरा करने की क्षमता है या फिर वे जनता के पैसे का ही इस्तेमाल करके अपने चहेतों में रेवड़ियां बांटने का सपना देख रहे होते हैं। न्यायपालिका ने चुनाव के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिये तरह-तरह के उपहार देने के वादों की बढ़ती प्रवृत्ति को देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिये कभी भी उचित नहीं पाया। उच्चतम न्यायालय ने जुलाई, 2013 में कहा था कि चुनाव घोषणा पत्रों में मतदाताओं से किये गये वादे जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 123 के तहत भ्रष्ट आचरण नहीं होते लेकिन इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता कि मुफ्त में रेवड़ियां देने के वादे समाज के सभी वर्गों को प्रभावित करते हैं। इस तरह की गतिविधियां स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की जड़ों को हिला देती हैं। हालांकि, न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को यह निर्देश जरूर दिया था कि चुनाव की घोषणा के साथ ही लागू होने वाली आदर्श आचार संहिता में अलग एक शीर्षक के तहत राजनीतिक दलों के घोषणापत्रों के संबंध में भी प्रावधान किया जाये। शीर्ष अदालत ने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में शामिल राजनीतिक दलों को नियंत्रित करने के संबंध में अलग से कानून बनाने का भी सुझाव दिया था। मतदाताओं को मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के मुद्दे पर फैसला सुनाने वाले न्यायमूर्ति पी. सदाशिवम और न्यायमूर्ति रंजन गोगोई आगे चल कर देश के प्रधान न्यायाधीश बने। यही नहीं, सेवानिवृत्ति के बाद जहां न्यायमूर्ति सदाशिवम केरल के राज्यपाल बने वहीं न्यायमूर्ति रंजन गोगोई को राष्ट्रपति ने राज्यसभा का सदस्य मनोनीत किया। न्यायालय के इस फैसले के बाद आयोग ने आदर्श आचार संहिता में एक नया उपबंध शामिल किया था, जिसके तहत मतदाताओं को प्रभावित करने वाली तमाम घोषणायें करने पर प्रतिबंध लगाये गये थे। आयोग ने कई राजनीतिक दलों को नोटिस भी जारी किये थे लेकिन स्थिति में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं आया। शायद यही वजह है कि एक बार फिर इस प्रवृत्ति के खिलाफ न्यायपालिका को ही कदम उठाना पड़ा है। बहरहाल, मतदाताओं को मुफ्त रेवड़ियां देने के वादे का मुद्दा एक बार हाल ही में तमिलनाडु चुनाव के दौरान ही मद्रास उच्च न्यायालय में उठा। इस मामले में अब उच्च न्यायालय ने निर्वाचन आयोग से जानना चाहा है कि राजनीतिक दलों के चुनावी घोषणा पत्रों में इस तरह के वादों की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के संबंध में कानून बनाने की दिशा में क्या प्रगति हुई है कि इस तरह के वादे करने वाले राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों को इन्हें पूरा करने के लिये इन पर पर होने वाले खर्च का 10 प्रतिशत वहन करने के लिये जिम्मेदार क्यों नहीं बनाया जाना चाहिए। देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को धन बल और बाहु बल से मुक्त कराने के लिये प्रयत्नशील सभी हितधारकों के पास अभी भी स्थिति पर काबू पाने का समय है। केन्द्र सरकार, निर्वाचन आयोग और राजनीतिक दलों ने अगर समय रहते इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाये तो आने वाले समय में इसके परिणाम और गंभीर हो सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

पुण्य भाग्य बनाती है चारधाम की यात्रा

उत्तराखंड को देवभूमि भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है भगवान की स्थली। यह प्रदेश भारतवर्ष के अनेक पवित्र एवं महत्वपूर्ण तीर्थो का स्थल है। भगवान की स्थली मने जाने वाला यह प्रदेश पर्यटको को अपने अदभूत सोंदर्य के लिए आकर्षित करता है। अपने अनगिनत पवित्र स्थलों, मंदिरों, तीर्थो, नदियों एवं झीलों से आकर्षित होकर प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक यहाँ तीर्थाटन के लिए आते है। उत्तराखंड अपने पवित्र धामों के कारण प्रत्येक हिन्दू का वांछित स्थल है। चारधाम, हरिद्वार एवं ऋषिकेश की यात्रा को प्रत्येक हिन्दू के लिए अत्यन्त आवश्यक माना गया है। हिन्दू पुराणों के के अनुसार चारधाम की यात्रा पुण्य का भाग्य बनाती है। भगवान की यह स्थली, हजारो वर्ष पहले बनाये गए मंदिरों एवं धामों से यहाँ कि धार्मिक विरासत की और सम्रद्ध संकेत करती है। विश्व भर से लोग तीर्थाटन के लिए उत्तराखंड में आते है।

उत्तराखंड एक ऐसा राज्य है जो कि आध्यात्मिक वायु से ओतप्रोत है। यह आश्चर्यजनक नहीं है कि, मंदिर एवं तीर्थ इस खुबसूरत प्रदेश में काफी कम दुरी पर स्थित है। प्राकृतिक सोंदर्य के हिसाब से भी उत्तराखंड सर्वोत्तम है- खुबसूरत घाटियाँ, अनछुए पहाड़ी मैदान, बर्फ से ढकी हिमालय कि चोटियाँ, बर्फीले हिमनद, झिलमिलाती झीले, जल धारायें एवं हिमनद। यह राज्य अपने में आध्यात्मिक एवं धार्मिक मंदिरों, धामों, नदियों के लिए अत्यन्त प्रसिद्ध है।

तीर्थयात्रियों के लिए यह एक जीवनकाल का एक अदभूत अनुभव होता है, यहाँ के मंदिर एवं धाम, गर्म जल धाराओं, घने जंगलो, बर्फाच्छादित पर्वतो, झीलों एवं पवित्र नदियों से घिरे हुए है। इस स्थली से कोई भी यात्री अनछुवा वापस नहीं जाता, क्योंकि यह क्षेत्र गहरी आस्था अदभूत आध्यात्म पवित्रता एवं दिव्यता से ओतप्रोत है। हिन्दुओं कि सबसे पवित्र मने जाने वाली चारधाम यात्रा में तीर्थयात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री के दर्शन करते है।

उत्तराखंड के प्रसिद्द धार्मिक स्थल है- बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, ऋषिकेश, हरिद्वार, हेमकुंड साहिब, रीठा साहिब एवं पंचकेदार। तीर्थयात्रियों के लिए यह एक जीवनकाल का एक अदभूत अनुभव होता है, यहाँ के मंदिर एवं धाम, गर्म जल धाराओं, घने जंगलो, बर्फाच्छादित पर्वतो, झीलों एवं पवित्र नदियों से घिरे हुए है। इस स्थली से कोई भी यात्री अनछुवा वापस नहीं जाता, क्योंकि यह क्षेत्र गहरी आस्था अदभूत आध्यात्म पवित्रता एवं दिव्यता से ओतप्रोत है। हिन्दुओं कि सबसे पवित्र मने जाने वाली चारधाम यात्रा में तीर्थयात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री के दर्शन करते है। जीवन एक यात्रा की तरह है । कभी यह सहज लगती है तो कभी दुर्गम। जब मन में उत्साह और विश्वास की ऊर्जा जागती है तो जीवन यात्रा कितनी भी दुर्गम हो, उसे हम खुशी-खुशी पूरा कर लेते हैं। चारधाम यात्रा को भी लोग विश्वास और उर्जा के साथ उत्साह से पूरा करते हैं । फिर यह ऊर्जा जीवन भर हमारे साथ चलती है। जीवन का हर कठिन और दुसाध्य लगने वाला काम हमारे लिए आसान हो जाता है। यह यात्रा पूरी करने के बाद जीवन की हर मुश्किल आसान लगने लगती है क्योंकि हर वक्त विश्वास की शक्ति हमारे साथ रहती है।

एक समय था, जब आने-जाने के संसाधन भी नहीं थे और चारधाम यात्रा बेहद कठिन मानी जाती थी, तब भी गृहस्थी की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने के बाद दम्पति पैदल चारधाम यात्रा करते थे। उस समय, जो दंपत्ति सकुशल वापस लौट आते, उनके आने की खुशी में पूरा गांव उत्सब मनाता था। वर्ष 1962 के पहले रास्ते इतने आसान नहीं थे। परन्तु चीन के साथ हुए युद्ध के उपरांत भारतीय सैनिकों की आवाजाही से तीर्थयात्रियों के लिए रास्ते आसान हो गए। आवागमन के साधनों में सुधार हुआ और आज चारधाम यात्रा तीर्थयात्रियों के बीच लोकप्रिय बन चुकी है। प्रतिवर्ष लाखों श्रधालु विश्वास के सहारे इस यात्रा को पूरा करते हैं।

हिन्दुओं के चार पवित्र स्थलों (बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, एवं यमुनोत्री) की तीर्थयात्रा को चारधाम यात्रा कहा जाता है। सदियों से संत एवं तीर्थयात्री, निर्वाण की खोज में इन स्थलों पर आते रहे हैं, जिन्हें की हिन्दू पुराणों के अनुसार केदारखंड कहा गया है। हिन्दुओं की आस्था के अनुसार, इन चार स्थानों की यात्रा को अत्यंत धार्मिक महत्व कामाना गया है।

बद्रीनाथ

बद्रीनाथ को इन चार धामों में सबसे पवित्र माना गया है। नर एवं नारायण नामक पर्वतों के बीच, एवं अलकनंदा नदी के तट पर स्थित बद्रीनाथ समुद्रतल से 3133 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह धाम भगवान विष्णु को समर्पित है, जो की दुनिया के रक्षक माने गए हैं। यहाँ किसी भी जाती या वर्ण के भेदभाव के बिना, प्रभु के दर्शन किये जा सकते हैं। हिमालय की नीलकंठ चोटी का मनोरम रूप श्री बद्रीनाथ मंदिर के पीछे देखा जा सकता है। किसी समय यह स्थान बेरी के जंगलों के कारण बद्री वन नाम से प्रसिद्ध था। मंदिर के सामने, अलकनंदा के किनारे एक गर्म पानी का स्रोत तप्त कुंद नाम से जाना जाता है। स्त्रियों के लिए एक अलग कुण्ड की व्यवस्था है।

बदीनाथधाम की खोज आदिगुरू शंकराचार्य द्वारा आठवीं शताब्दी में की गई थी। अपनी योग सिद्धि एवं तपस्या के बल से शंकराचार्य ने ही अलकनंदा नदी के नारद कुण्ड से भगवान बद्री नारायण की मूर्ती को बाहर निकाल कर तप्तकुंड के पास गरुड़ गुफा में स्थापित किया था, सात शताब्दियों के कालांतर में गढ़वाल के महाराजा द्वारा मंदिर निर्माण कर इस विग्रह को वर्तमान मंदिर में स्थापित करवाया गया था तथा 18वीं शताब्दी में इन्दोर की महारानी अहिल्याबाई होलकर द्वारा मंदिर पर स्वर्ण कलश स्थापित करवाए गए थे। बाद में भूकंप के कारण ध्वस्त हुए बद्रीनारायण मंदिर का वर्ष 1803 में जयपुर के महाराजा द्वारा पुनर्निर्माण करवाया गया था। समय एवं आवश्यकता के आधार पर इसका कई बार जीर्णोद्धार भी हुआ है, वर्तमान मंदिर स्थापत्य कला का अनुपम उदहारण कहा जा सकता है। अलकनंदा नदी से 50 मीटर ऊंचे धरातल पर निर्मित इस मंदिर का प्रवेश द्वार अलकनंदा नदी की ओर देखता हुआ है।

केदारनाथ

उत्तराखंड में लगभग 400 शिव मंदिरों में से सबसे महत्वपूर्ण केदारनाथ को माना जाता है। पूर्व कथाओं के अनुसार, कुरुक्षेत्र में कौरवों पर विजय पाने के उपरान्त, पांडवों का मन अपने की लोगो की हत्या के कारण ग्लानी से भर गया, और यहाँ भगवान शिव के आशीर्वाद उन्होंने मोक्ष की प्राप्ति की। भीम द्वारा भगवान शिव का पीछा किया जाने पर, वो धरती में विलीन हो गए, शिव के अन्य चार अंग, चार अन्य स्थानों पर उभर आये, जहाँ उन्हें अलग-2 नाम से पूजा जाता है। केदारनाथ एवं इन चार अन्य मंदिरों को एक साथ पञ्च केदार नाम से जाना जाता है।

केदारनाथ की समुद्रतल से ऊंचाई लगभग 3584 मीटर है। यह मन्दाकिनी नदी के उदगम स्थल के निकट बसा हुआ है। मंदिर के चारो और ऊंची -2 मनोरम एवं खूबसूरत पहाड़ियां हैं। गौरीकुंड से केदारनाथ का 14 किलोमीटर का मार्ग पहाड़ी मार्ग है यमुनोत्री की तरह यंहा भी एक तरफ ऊंचे ऊंचे पहाड़ हैं और दूसरी तरफ गहरी खाइयाँ जिनकी गहराई जैसे जैसे यात्री ऊपर चढ़ते हैं बढ़ती जाती है, बीच में पगडण्डीनुमा रास्ता है जो पत्थरों से बना हुआ है यद्यपि इसकी चोड़ाई यमुनोत्री मार्ग की अपेक्षा अधिक है ढ्ढ रास्ते में जगह जगह अस्थाई ढाबे बने हुए हैं जो स्थानीय गढ़वाली लोगों द्वारा संचालित होते हैं, इनमें अच्छे खाने की अपेक्षा नहीं की जा सकती, ब्रांडेड वस्तुएं ही उपयोग की जानी चाहियें पूरे मार्ग में अलकनंदा नदी एवं हरियाली से आच्छादित पहाड़ साथ रहते हैं, पहाड़ों की चोटियों पर बर्फ के ग्लेशियर यात्रियों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं, पहाड़ों से निकल कर नीचे आने वाले अनेक झरने मन को हर्षित करते हैं, पूरा मार्ग रमणीक तो है किन्तु थका देने वाला भी है गौरीकुंड से सात किलोमीटर की दूरी पर रामबाड़ा नाम का स्थान है यहां यदि यात्री चाहें तो रात्रि विश्राम की व्यवस्था उपलब्ध हो सकती है। केदारनाथ का रास्ता तय करने के लिए यहां घोड़े और खच्चर भी उपलब्ध हैं।

गंगोत्री

गंगोत्री को पवित्र नदी गंगा का उदगम (गौमुख हिमनद, गंगोत्री से 18 किलोमीटर पैदल) एवं देवगंगा की स्थली माना गया है। उदगम स्थल से नदी को भागीरथी कहा जाता है, एवं देवप्रयाग में अलकनंदा से संगम के बाद, इसे गंगा नाम से जाना जाता है। हिन्दू आस्था के अनुसार, गंगा स्वर्ग की पुत्री हैं, जिन्होंने नदी के रूप में अवतार लेकर राजा भागीरथ के पुरखों के पापों को दूर किया। गंगोत्री मंदिर से लगभग 100 गज दूर केदार गंगा बहती है।

यमनोत्री

भारत की सर्वाधिक प्राचीन और पवित्र नदियों में गंगा के समकक्ष ही यमुना की गणना की जाती है। भगवान कृष्ण की लीलाओं की साक्षी रही यह नदी ब्रज संस्कृति की संवाहक है। भारतवासियों के लिए यह सिर्फ एक नदी नहीं है, भारतीय संस्कृति में इसे माँ का दर्जा दिया गया है।

यमुना नदी का उद्गम हिमालय के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित यमनोत्री से हुआ है। हिन्दू धर्म के चार धामों में यमनोत्री का भी स्थान है। यमुना नदी की तीर्थस्थली यमनोत्री हिमालय की खूबसूरत वादियों में स्थित है। यमुना नदी का उद्गम कालिंद नामक पर्वत से हुआ है। हिमालय में पश्चिम गढ़वाल के बर्फ से ढँके श्रंग बंदरपुच्छ जो कि जमीन से 20,731 फुट ऊँचा है, के उत्तर-पश्चिम में कालिंद पर्वत है। इसी पर्वत से यमुना नदी का उद्गम हुआ है। कालिंद पर्वत से नदी का उद्गम होने की वजह से ही लोग इसे कालिंदी भी कहते हैं।

यमुना नदी का वास्तविक स्रोत कालिंद पर्वत के ऊपर बर्फ की एक जमी हुई झील और हिमनद चंपासर ग्लेश्यिर है। यह ग्लेश्यिर समुद्र तल से 4421 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। इसी ग्लेश्यिर से यमुना नदी निकलती है और ऊँचे-नीचे, पथरीले रास्तों पर इठलाती, बलखाती हुई पर्वत से नीचे उतरती है। यहाँ चावल की छोटी छोटी पोटली को गरम पानी के कुण्ड में पकाया जाता है और प्रसाद के तौर भोग लगाया जाता है

सावधानियां जो आवश्यक हैं

स्वांस की बीमारी से पीड़ितों एवं ह्रदय रोगियों को पैदल जाने का दुस्साहस नहीं करना चाहिए, चढ़ाई में परेशानी हो सकती है तथा ऑक्सीजन की कमी भी परेशान कर सकती है, ऐसे लोगों को गौरीकुंड से छोटे ऑक्सीजन के सिलेंडर खरीद कर साथ रखने चाहियें जो वंहा 250 -300 रुपये में आसानी से उपलब्ध होते हैं, कुछ लोग कपूर भी साथ रखते हैं जिसे सूंघने से कुछ राहत मिलती है ढ्ढ पैदल जाने वाले यात्रियों को सुविधा के लिए गौरीकुंड से ही छड़ियाँ (स्टिक्स) ले लेनी चाहिए चढ़ाई वाले मार्ग में यह चढ़ने एवं उतरने में सहायक होती हैं, जून से अगस्त में यंहा बरसात होती रहती है जो परेशानी का कारण बन सकती है इसके लिए हलके रैन कोट्स साथ रखने चाहियें जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर उपयोग में लिया जा सकता है वैसे मार्ग में भी ऐसे हलके बरसाती गाउन उपलब्ध हो जाते हैं। किसी भी तरह की बीमारी से ग्रसित लोगों को अपनी दवाइयां अवश्य साथ रखनी चाहिए क्योंकि आप जो दवा लेते हैं वह आवश्यक नहीं कि वंहा के मेडिकल स्टोर्स में उपलब्ध हो जाये। डायबिटीज़ के रोगियों को भी अपनी दवा के अतिरिक्त खाने पीने की अन्य आवश्यक सामग्री अपने साथ अवश्य रखनी चाहिए। इस मार्ग में सुविधा जनक वस्त्र पहनने से किसी संभावित परेशानी से बचा जा सकता है। पांव में भी सुविधाजनक शूज़ या सेंडल ही पहनने चाहियें जो पांव को काटे नहीं,महिलाओं को ऊंची हील की चप्पल या सेंडल भूल कर भी नहीं पहननी चाहिए, पांव फिसलने या मुड़ने की संभावना रहती है। अपने साथ कम से कम वजन रखने से आपको थकान कम होगी, वैसे वजनदार सामान के लिए कंडी (पिट्ठू) हायर कर लेना आपके लिए सुविधाजनक होगा। यद्यपि पालकी या कंडी वाले मजदूर ईमानदार होते हैं फिर भी मूल्यवान वस्तुओं के प्रति सावधानी रखनी चाहिए।

मौसम

केदारनाथ में अप्रैल से जून तक मौसम दिन में सुहाना एवं रात्रि में हल्की ठंडक रहती है,इसलिए पहनने के लिए हलके गरम कपड़े साथ लेने चाहिए, जून से सितम्बर बरसात रहती है, पहाड़ों से चट्टानें टूट कर गिरने की भी संभावना रहती है जिससे मार्ग अवरुद्ध हो सकते हैं अत- सावधानी आवश्यक है,सितम्बर से नवम्बर में मंदिर के पट बंद होने तक तेज़ सर्दी रहती है, भारी गरम कपडे साथ रखना आवश्यक है। दीपावली पर कपट बंद होने के बाद अप्रैल में वापस खुलने तक पूरा क्षेत्र बर्फ से ढक जाता है, मार्ग भी बर्फ से बंद हो जाते हैं,इस अवधि में यंहा कोई नहीं रहता, दुकानों एवं मकानों की एक से दो मंजिल तक बर्फ में दब जाती हैं।

रुपए की विनिमय दर 105 पैसे गिर का 74.47 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई: देश में कोविड-19 महामारी का प्रकोप फिर फैलने से बढ़ती चिंताओं के बीच विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 105 पैसे गिरकर 74.47 (अनंतिम) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इस बीच, भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को नीतिगत समीक्षा की घोषणा करते हुए लगातार 5वीं बार नीतिगत दरों को यथावत रखने का फैसला किया। रिजर्व बैंक ने अपनी नीतिगत रेपो दर को चार प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है लेकिन आगाह किया कि कोविड-19 की घटनाओं में आई हालिया तेजी ने आर्थिक विकास के संदर्भ में अनिश्चितताओं को जन्म दिया है। अन्तरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में, डॉलर के मुकाबले रुपया 73.52 पर खुला और कारोबार के दौरान 73.52 से 74.50 रुपए के बीच रहा। अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया अपने पिछले बंद भाव 73.42 रुपए के मुकाबले 105 पैसे टूटकर 74.47 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इस बीच, विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला, डॉलर सूचकांक, 0.06 प्रतिशत घटकर 92.28 रह गया। वैश्विक मानक माने जाने वाले, ब्रेंट क्रूड वायदा 0.53 फीसदी की तेजी के साथ 63.07 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर चल रहा था। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक 460.37 अंकों की तेजी के साथ 49,661.76 अंक हो गया। स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे जहां उन्होंने मंगलवार को 1,092.75 करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री की।

टाटा पावर सोलर ने विनिर्माण क्षमता दोगुनी कर 1,100 मेगावाट की

नयी दिल्ली, टाटा पावर सोलर ने बुधवार को कहा कि उसने सौर सेल और मोड्यूल विनिर्माण क्षमता दोगुनी कर 1,100 मेगावाट कर ली है। कंपनी ने एक बयान में कहा, ''टाटा पावर सोलर सिस्टम लि. ने बेंगलुरू में अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र का विस्तार किया है। इससे सेल और मोड्यूल की कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 1,100 मेगावाट हो गयी है।'' बयान के अनुसार सौर मोड्यूल की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि तथा आत्मनिर्भर भारत के लिये सरकार की अनुकूल नीतियों की वजह से आने वाले समय इसमें और तेजी की उम्मीद को देखते हुए संयंत्र का विस्तार किया गया है। टाटा पावर का बेंगलुरू में सौर उपकरण विनिर्माण संयंत्र देश का प्रमुख एकीकृत सेल और मोड्यूल विनिर्माण संयंत्र है।

भारत में 2021 में 93 अरब डॉलर तक पहुंचेगा आईटी खर्च : गार्टनर

मुंबई। भारत में प्रौद्योगिकी खर्च (आईटी स्पेंडिंग) 2021 में कुल 93 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें पिछले साल 2020 की तुलना में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि होगी। गार्टनर की ओर से बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। भारत में हालांकि यह वृद्धि वैश्विक औसत से कम रहेगी, क्योंकि दुनियाभर में आईटी खर्च 2021 में कुल 4.1 खरब तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें 2020 की तुलना में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि होगी। गार्टनर के विशिष्ट अनुसंधान उपाध्यक्ष जॉन-डेविड लवलॉक ने एक बयान में कहा, आईटी अब पारंपरिक रूप से कॉर्पोरेट संचालन का समर्थन नहीं करता है, लेकिन यह व्यवसायिक मूल्य वितरण (बिजनेस वैल्यू डिलीवरी) में पूरी तरह से भाग ले रहा है। उन्होंने कहा, यह न केवल आईटी को एक बैक-ऑफिस भूमिका से व्यवसाय के मोर्चे पर शिफ्ट करता है, बल्कि यह ओवरहेड व्यय से धन के स्रोत को भी बदलता है। सभी आईटी खर्च सेगमेंट में 2022 तक सकारात्मक वृद्धि का अनुमान है।

व्हाट्सएप ने अपने बिजनेस प्लेटफॉर्म पर खरीदारी को बनाया आसान

नई दिल्ली।

व्हाट्सएप ने बुधवार को ई-कॉमर्स के लिए दो नए फीचर्स की घोषणा की, जिससे लोगों को आसानी से पता चल सके कि उनके लिए क्या उपलब्ध है और उद्यमियों को व्हाट्सएप फॉर बिजनेस पर अपने उत्पादों को जल्दी बेचने में मदद मिल सके। कंपनी ने कहा कि वह अब व्यवसायों को केवल मोबाइल फोन के बजाय व्हाट्सएप वेब/डेस्कटॉप से भी अपनी कैटलॉग बनाने और इसे प्रबंधित करने की क्षमता प्रदान कर रही है। व्हाट्सएप ने एक बयान में कहा, चूंकि कई कंपनियां कंप्यूटर से अपनी इंवेंट्री का प्रबंधन करती हैं, इसलिए यह नया विकल्प नई वस्तुओं या सेवाओं को जोड़ना आसान और तेज बना देगा, ताकि उनके ग्राहकों को पता चले कि क्या उपलब्ध है। यह एक रेस्तरां या कपड़े की दुकान जैसे बड़े आविष्कारों वाली कंपनियों के लिए उपयोगी होगा, ताकि वे एक बड़ी स्क्रीन से अपनी सूची का प्रबंधन कर सकें। कंपनी का कहना है कि वर्तमान में दुनिया भर में इसकी 80 लाख से अधिक व्यावसायिक कैटलॉग हैं, जिसमें भारत में 10 लाख शामिल हैं। कंपनी ने पिछले साल छुट्टियों की खरीदारी के मौसम में व्हाट्सएप पर कार्ट्स पेश कीं, ताकि लोग एक कैटलॉग ब्राउज कर सकें, कई उत्पादों का चयन कर सकें और कंपनी को एक संदेश के रूप में ऑर्डर भेज सकें।

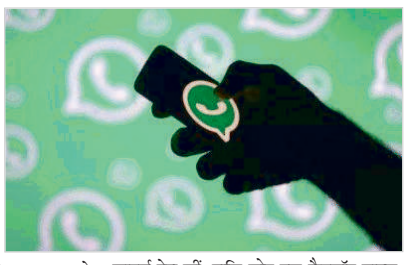

सिट्रॉन ने भारत में सी5 एयरक्रास एसयूवी पेश किया, कीमत 29.9 लाख से शुरू

नयी दिल्ली, स्टेलेंटिस समूह की कंपनी सिट्रॉन ने बुधवार को भारत में सी5 एयरक्रॉस एसयूवी की पेशकश की, जिसकी शो रूम पर कीमत 29.9 लाख रुपये से शुरू है। सिट्रॉन का गठन दो वैश्विक कंपनियों एफसीए और ग्रुप पीएसए के विलय से किया गया है। कंपनी ने भारत में अपनी पहली गाड़ी के रूप में एसयूवी की पेशकश की है, जिसके तीन संस्करणों की कीमत क्रमशः 29.9 लाख रुपये, 30.4 लाख रुपये और 31.9 लाख रुपये है। कंपनी ने बताया कि इस वाहन में आटोमैटिक ट्रांसमिशन तथा आठ गति वाला दो लीटर का डीजल इंजन लगा है। यह इंजन प्रति लीटर 18.6 किलोमीटर का औसत देता है। सिट्रॉन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विंसेंट कोबी ने एक वीडियो कांफ्रेंस में कहा कि इस गाड़ी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता और आधुनिक तकनीक निश्चित रूप से भारतीय ग्राहकों को संतुष्ट करेगी।

सैमसंग ने पेश की रिमोट लॉन्ड्री देखभाल वाली वॉशिंग मशीन

नई दिल्ली। कभी आपने सोचा है कि सफर से घर पहुंचते ही आप ऑफिस जाने से पहले अपने कपड़े तुरंत धो, सुखा लेंगे और पहनकर बाहर निकलेंगे? यह अब संभव है, सैमसंग की नई रेंज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के साथ-साथ हिंदी और अंग्रेजी यूजर इंटरफेस के साथ कनेक्टेड वाशिंग मशीन से। सैमसंग ने कहा कि पूरी तरह से स्वचालित फ्रंट लोड वाशिंग मशीन की यह नई लाइन-कंपनी पावरिंग डिजिटल इंडिया के नए विजन का हिस्सा है। इस वाशिंग मशीन में सैमसंग के मालिकाना इको बबल और क्विक ड्राइव की तकनीक जुड़ी है। यह तकनीक समय और बिजली बचाने में मदद करती है। उपयोगकर्ता सैमसंग स्मार्टथिंग्स एप डाउनलोड कर सकते हैं, ताकि उनकी सुविधा के अनुसार उनकी पसंद को वैयक्तिकृत (पर्सनेलाइज) किया जा सके। सैमसंग इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स व्यवसाय) राजू पुलन के अनुसार, वाशिंग मशीन को दूर से प्रबंधित करने के लिए कपड़े को वॉशिंग मशीन में रखना होगा और मशीन को स्विच में मोड पर रखना होगा। इसके बाद वाई-फाई को कनेक्ट करना होगा। जब मशीन को सैमसंग स्मार्टथिंग्स एप के साथ जोड़ा जाता है, तो यह सर्वश्रेष्ठ वॉश विकल्प देने के लिए व्यक्तिगत स्मार्ट लॉन्ड्री रेसिपी समाधान प्रदान करता है।

कैबिनेट बैठक में मोदी सरकार का बड़ा फैसला, 6238 करोड़ की PLI स्कीम को दी मंजूरी

बिजनेस डेस्क:

कोरोना संकट के बीच पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई। इस बैठक में हुई चर्चा को लेकर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और प्रकाश जावड़ेकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी। मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए कैबिनेट ने बुधवार को दो क्षेत्रों में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजना को मंजूरी दी है। इनमें पहला है सोलर पैनल और दूसरा है व्हाइट गुड्स (एसी व एलईडी लाइट्स)। साथ ही केंद्रीय कैबिनेट ने एक एमओयू को भी मंजूरी दी है। कैबिनेट ने एसी और एलईडी उपकरणों के उत्पादन के लिए 6238 करोड़ रुपए की पीएलआई स्कीम को मंजूरी दी है।

बड़े स्तर पर पैदा होंगे रोजगार के अवसर

गोयल ने बताया कि इसमें 5-6 फीसदी इंसेंटिव मिलेगा। उन्होंने कहा कि ज्यादातर उपकरण एमएसएमई (MSME) बनाते हैं। ऐसे में एमएसएमई को फायदा होगा और बड़े स्तर पर रोजगार पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि इस योजना से भारत को एसी और एलईडी उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। यह पीएलआई स्कीम भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को काफी आगे लेकर जाएगी।

सोलर पैनल के मामले में भारत बनेगा आत्मनिर्भर

दूसरी पीएलआई योजना हाई एफिशियेंसी सोलर पीवी मॉड्यूल्स के लिए है। गोयल ने बताया कि हाई एफिशियेंसी सोलर पीवी मॉड्यूल्स द्वारा लगभग 10 हजार मेगावाट की एडिशनल मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी का भारत में निर्माण होगा। जिसमें साढे चार हजार करोड़ रुपए का PLI दिया जाएगा। गोयल ने कहा कि इससे विदेशी कंपनियां भी भारत में आने के लिए प्रोत्साहित होंगी और भारत सोलर उपकरण के निर्माण में आत्मनिर्भर बनेगा। साथ ही बिजली की कीमतें कम होंगी। गोयल ने बताया कि इस योजना से 30 हजार लोगों को प्रत्यक्ष व 1.10 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

एलईडी की कीमत 85% घटी

गोयल ने कहा, 'एलईडी लाइटिंग में आज भारत विश्व का लीडर है। उजाला योजना से एलईडी की कीमत 85 फीसदी घट गई। देश में अब लगभग सभी जगह एलईडी लगाई जा रही है, जिससे बिजली के बिल कम हुए और इससे कार्बन उत्सर्जन भी कम हुआ है। गोयल ने कहा, 'आत्मनिर्भर भारत के लिए पीएलआई योजना एक केंद्रीय बिंदु है। भारत ने 13 सेक्टर चुनें, जो ग्लोबल सप्लाई चेन में अपना योगदान दे सकें। इतना बड़ा प्रोजेक्ट शायद पहली बार लाया गया है। इससे कम से कम 1 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से काम करने के अवसर मिलेंगे। इससे भारत के मैन्युफैक्चरिंग उद्योग को बड़ा उछाल मिलेगा। भारत ने पिछले 5 वर्षों में 2 ट्रिलियन डॉलर या 1.5 लाख करोड़ रुपए का उत्पादन मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में किया है। 13 सेक्टर में पीएलआई स्कीम 35 लाख करोड़ रुपए के अतिरिक्त उत्पादन को प्रोत्साहित करेगी।

आरबीआई के फैसले से गदगद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 460 अंक चढ़ा

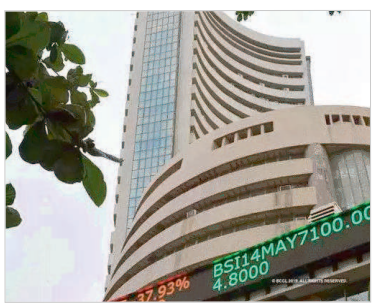

मुंबई।

देश के शेयर बाजार में बुधवार को तमाम सेक्टरों में लिवाली लौटने से तेजी का रुझान बना रहा। सेंसेक्स 460.37 अंकों यानी 0.94 फीसदी की तेजी के साथ 49,661.76 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 135.55 अंकों यानी 0.92 फीसदी की तेजी के साथ 14,819.05 पर ठहरा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रि नीति की घोषणा से गदगद शेयर बाजार ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स बीते सत्र से 75.70 अंकों की तेजी के साथ 49,277.09 पर खुला और दिनभर के कारोबार के दौरान 49,900.13 तक उछला, जबकि इस दौरान सेंसेक्स का निचला स्तर 49,093.90 रहा। सेंसेक्स के 27 शेयरों में तेजी रही जबकि तीन शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी बीते सत्र से 32.95 अंकों की बढ़त के साथ 14,716.45 पर खुला और आरबीआई के फैसले आने पर 14,879.80 तक उछला, जबकि इस दौरान निफ्टी का निचला स्तर 14,649.85 रहा। एनएसई के 43 शेयर तेजी के साथ बंद हुए जबकि सात शेयरों में गिरावट रही। बीएसई मिडकैप सूचकांक बीते सत्र से 167.45 अंकों यानी 0.82 फीसदी की तेजी के साथ 20,653.28 पर बंद हुआ, जबकि स्मॉलकैप सूचकांक 273.30 अंकों यानी 1.30 फीसदी की तेजी के साथ 21,293.40 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के सबसे ज्यादा तेजी वाले पांच शेयरों में एसबीआईएन (2.25 फीसदी), आईसीआईसीआई बैंक (2.05 फीसदी), नेस्ले इंडिया (2.00 फीसदी), इंडसइंड बैंक (1.98 फीसदी) और बजाज ऑटो (1.98 फीसदी) शामिल रहे। वहीं, गिरावट वाले शेयरों में टाइटन (0.78 फीसदी), एनटीपीसी (0.47 फीसदी) और हिंदुस्तान यूनीलीवर (0.14 फीसदी) शामिल रहे। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को रेपो रेट को चार फीसदी पर स्थिर रखने के केंद्रीय बैंक के फैसले की घोषणा की। आईबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के नतीजों की घोषणा करते हुए दास ने कहा कि रेपो रेट को चार फीसदी पर और रिवर्स रिपो रेट को 3.35 फीसदी पर स्थिर रखने का फैसला लिया गया है।

गोदाम में रखी फसल के एवज में 75 लाख रुपये तक अब कर्ज ले सकेगा कोई किसान

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने फसल के एवज में किसानों के कर्ज की सीमा बढ़ा दी है। अब कोई किसान गोदामों में रखी अपनी फसल के एवज में 75 लाख रुपये तक बैंक से कर्ज ले सकता है। पहले यह सीमा 50 लाख रुपये थी। पंजीकृत गोदामों में रखी फसल की रसीद के आधार पर किसानों को यह कर्ज मिलता है। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में लिए गए फैसलों की घोषणा करते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि कृषि उत्पादों के बंधक के बदले में किसानों को कर्ज देने की सीमा बढ़ा दी गई है, बशर्ते फसलों का यह वेयरहाउस डेवलपमेंट एंड रेग्युलेटरी अथॉरिटी (डब्ल्यूडीआरए) द्वारा पंजीकृत और विनियमित वेयरहाउस की ओर से जारी निगोशिएबल वेयरहाउस रिसीट यानी एनडब्ल्यूआर या इलेक्ट्रॉनिक एनडब्ल्यूआर के आधार पर किया गया हो।

फ्रीडम एसडब्ल्यूपी: वित्तीय लक्ष्यों की योजना बनाने की स्वतंत्रता

एक व्यवस्थित निकासी योजना या एसडब्ल्यूपी निवेशक को प्रत्येक महीने पूर्व निर्धारित तिथि पर अपनी म्यूचुअल फंड योजना से वापस लेने का अवसर प्रदान करता है। SWP का उपयोग म्यूचुअल फंड स्कीम से आपके निवेश को निकालने के लिए किया जाता है। एसडब्ल्यूपी सुनिश्चित करता है कि आपको अपनी आवश्यकताओं के अनुसार नियमित अंतराल पर एक स्थिर और नियमित आय प्राप्त हो।

जब सेवानिवृत्ति के बाद की आय धाराओं की योजना की बात आती है, तो छोटे निवेशक अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए पारंपरिक निवेश योजनाओं जैसे बैंक फिक्स डिपॉजिट या पोस्टल डिपॉजिट के बारे में सोचते हैं। हालांकि, ब्याज दरों में गिरावट के साथ, निवेशक नई वास्तविकता से अवगत हो गए हैं।

इस तरह के भ्रम के समाधान के रूप में, ICICI प्रूडेंशियल ने ICICI प्रूडेंशियल फ्रीडम SWP की शुरुआत की है। स्वतंत्रता एसडब्ल्यूपी में, निवेशक समय-समय पर एक निश्चित राशि का भुगतान करते हैं, यानी, 3%, 4%, 6% या 5% प्रतिवर्ष के साथ के वार्षिक टॉप-अप विकल्प के साथ, फंड से निवेश को वापस लिया जा सकता है।

इस सुविधा में निवेशकों को निम्नलिखित पहलुओं के बारे में सोचना होगा।

a. कोई स्कीम चुनें

b. राशि निर्दिष्ट करें – यह वह राशि है जिस पर प्रति वर्ष 6% की दर से निकासी की जाएगी

c. टोप अप %का चयन करें और

d. SWP की आरंभ तिथि चुनें। प्रत्येक माह की 25 तारीख को भुगतान के लिए निकासी की जाएगी।

उपलब्ध योजना विकल्प ज्यादातर संकरों में है, इस समझ के कारण कि निवेशकों का जोखिम प्रोफ़ाइल उनके जीवन के वर्तमान चरण में बहुत आक्रामक नहीं होगा। यह वह समय है जब किसी की पूंजी की रक्षा करना और बाजार की अस्थिरता के जाल में पड़ने से बचना अनिवार्य है। उदाहरण के लिए-योजनाओं के बीच उपलब्ध विकल्पों में से एक ऐसा फंड है जिसमें निवेश इक्विटी और डेट स्कीम में फैला होता है। यहां फंड मैनेजर एक्सक्लूसिव रूप से एसेट क्लास आवंटित करता है। इक्विटी मार्केट वैल्यूएशन सस्ती होने पर वैल्यूएशन आकर्षक होने और कर्ज की ओर होने पर इक्विटी को एलोकेशन बढ़ाने का विचार यहां है। यह सुनिश्चित करेगा कि बाजार की अस्थिरता या तेज गिरावट की स्थिति में, धन सृजन और पूंजी के संरक्षण में निवेशक की रुचि दोनों का ध्यान रखा जाता है।

ओप्पो ने भारत में 6 साल में एफ सीरीज के 1 करोड़ फोन की बिक्री की

नई दिल्ली।

स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी ओप्पो ने पिछले कुछ सालों के दौरान भारत में सफलता की नई बुलंदियों को छुआ है। कंपनी की एफ सीरीज ने खासतौर पर लोगों के बीच बड़ा आकर्षण पैदा किया है, क्योंकि इस सीरीज के तहत कंपनी भारत में पिछले छह साल के दौरान एक करोड़ यूनिट बेच चुकी है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। ओप्पो इंडिया के मुख्य विपणन अधिकारी दमयंत सिंह खानोरिया के अनुसार, कंपनी की ओर से हाल ही में लॉन्च की गई एफ-19 प्रो सीरीज ने एफ-सीरीज स्मार्टफोन की बिक्री पर एक मजबूत प्रभाव डाला है। खानोरिया ने आईएएनएस को बताया, एफ सीरीज हमेशा भारतीय उपभोक्ताओं के बीच एक लोकप्रिय फोन सेगमेंट रहा है। उन्होंने कहा, एफ-19 प्रो सीरीज के लॉन्च के साथ, हम पहले ही छह साल की छोटी सी अवधि में एफ-सीरीज की एक करोड़ यूनिट बेचने का शानदार मुकाम हासिल कर चुके हैं। खानोरिया ने कहा कि यह सीरीज अपनी ट्रेंडिंग विशेषताओं के लिए जानी जाती है, जिसे लेकर युवाओं के बीच हमेशा से खासा रूझान रहा है और यह सीरीज उनकी पसंदीदा भी रही है।

रिजर्व बैंक का उदार नीतिगत रुख उद्योग, व्यापार में भरोसा पैदा करने वाला- उद्योग मंडल

बिजनेस डेस्क:

देश के प्रमुख वाणिज्य एवं उद्योग मंडलों का कहना है कि रिजर्व बैंक का मौद्रिक नीति में समायोजन वाला उदार रुख बनाए रखने का फैसला उद्योग एवं व्यापार का भरोसा बढ़ाने वाला है। उद्योग मंडल एसोचैम ने कहा है कि केन्द्रीय बैंक के इस फैसले को उसके द्वारा घोषित कुछ अन्य उपायों से काफी अहम समर्थन प्राप्त होगा। एसोचैम ने कहा, ''विदेशी वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) प्राप्ति को रखने के मामले में दी गई राहत से वैश्विक बाजार से संसाधन जुटाने वाली कंपनियों को लचीलापन मिलेगा। उद्योग मंडल ने कहा कि रिजर्व बैंक ने कोविड-19 महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति के बीच संतुलन साधने के साथ ही मौद्रिक नीति समिति का जब तक जरूरी लगे उदार रुख बनाए रखने का फैसला व्यापार एवं उद्योग जगत को फिर से भरोसा देने वाला है। उद्योग मंडल फिक्की ने भी कहा कि ऊंची मुद्रास्फीति के चिंता को देखते हुए रेपो दर के मामले में यथास्थिति बनाए रखने की पहले से उम्मीद थी लेकिन केन्द्रीय बैंक द्वारा उदार रुख बनाए रखने के फैसला उद्योग जगत के बीच भरोसा बढ़ाने वाला है। फिक्की ने कहा कि लगातार जारी अनिश्चितता के बीच अर्थव्यवसथा में नकदी की बेहतर स्थिति को बनाए रखने के रिजर्व बैंक की प्रतिबद्धता को देखते हुए हम प्रसन्न है।

बता दें कि आरबीआई ने बुधवार को घोषित चालू वित्त वर्ष की पहले मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया और उसे 4 प्रतिशत पर पूर्ववत बनाए रखा है। इसके साथ ही केन्द्रीय बैंक ने अपने रुख को उदार बनाए रखा है। कोरोना वायरस महामारी के एक बार फिर से सिर उठाने के कारण आर्थिक वृद्धि के समक्ष नया खतरा पैदा होता दिख रहा है।

व्हाट्सएप ने वैक्सीन फॉर ऑल स्टीकर पैक लॉन्च किया

नई दिल्ली।

फेसबुक के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप ने बुधवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ मिलकर एक नया स्टीकर पैक वैक्सीन फॉर ऑल लॉन्च किया है। कंपनी ने इसे कोविड-19 वैक्सीन के बारे में जागरूकता फैलाने की दिशा में और दुनियाभर के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करने के रूप में पेश किया है। कंपनी ने कहा कि ये स्टिकर लोगों को कनेक्ट करने के लिए एक मजेदार और रचनात्मक तरीका प्रदान करते हैं और हेल्थकेयर हीरोज के प्रति अपना सम्मान दिखाने के लिए भी स्टिकर्स का इस्तेमाल किया जाएगा। कंपनी ने 150 से ज्यादा राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय सरकारों के अलावा डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ के साथ मिलकर कोविड-19 से जुड़ी सटीक जानकारी मुहैया कराने की पहल शुरू की है। कंपनी ने एक बयान में कहा, महामारी की शुरुआत के बाद से हमने 150 से अधिक राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय सरकारों के अलावा डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ जैसे संगठनों के साथ कोविड-19 हेल्पलाइन पर अपने 2 अरब से अधिक यूजर्स को सटीक जानकारी और संसाधनों से जोड़ने के लिए साझेदारी की है।

व्हाट्सएप ने कहा, पिछले एक साल में इन वैश्विक हेल्पलाइनों पर 3 अरब से अधिक संदेश भेजे गए हैं।

फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ को निलंबित किया

ल्यूसाने। फुटबॉल की विश्व संस्था फीफा ने तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के कारण पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) को निलंबित कर दिया। उन्होंने साथ ही सरकार के हस्तक्षेप की वजह से चाडियन फुटबॉल संघ पर प्रतिबंध लगा दिया है। फीफा ने वेबसाइट पर बयान जारी कर कहा, यह स्थिति हाल ही में लाहौर स्थित पीएफएफ मुख्यालय में प्रदर्शनकारियों के समूह द्वारा विरोध करने और फीफा के जरिए नियुक्त किए गए नॉर्मलाइजेशन समिति को हटाने के कारण उत्पन्न हुई। पीएफएफ दफ्तर पर गत 27 मार्च पर पूर्व अध्यक्ष सैयद अश्फाक हुसैन शाह और उनके समूह द्वारा हमला किया गया और अंदर मौजूद लोगों को बंधक बनाया गया था। फीफा ने कोई कार्रवाई करने से पहले चेतावनी पत्र भी जारी किया था। फीफा ने कहा कि उसका फैसला तभी वापस होगा जब पीएफएफ का नियंत्रण हारून मल्लिक को दिया जाएगा। फीफा ने कहा, यह निलंबन तब ही वापस लिया जाएगा जब हमारे पास पीएफएफ समिति की ओर से इस बात की पुष्टि हो जाएगी कि इसका पूरा नियंत्रण वापस उनके पास आ गया है। चाडियन सरकार द्वारा स्थायी रूप से चाडियन फुटबॉल संघ (एफआईएफए) के अधिकारों को वापस लेने के फैसले के कारण फीफा ने एफआईएफए को निलंबित किया है।

आईपीएल 14 : इस सीजन में बेहतर करना चाहेगा राजस्थान रॉयल्स

नई दिल्ली।

आईपीएल के पिछले दो सीजन में खराब प्रदर्शन करने वाली राजस्थान रॉयल्स की टीम इस सीजन में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। राजस्थान की टीम 2019 में सातवें और 2020 के सीजन में आठवें स्थान पर रही थी। राजस्थान की कमान पिछले सत्र में स्टीवन स्मिथ ने संभाली थी लेकिन इस सीजन के लिए टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था। स्मिथ बल्ले से भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके थे। राजस्थान की टीम में बेन स्टोक्स, जोस बटलर और जोफा आर्चर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। राजस्थान ने इस सीजन के लिए क्रिस मोरिस को टीम में शामिल किया है, जिसके लिए उन्होंने अपनी जेब काफी ढीली की थी। मोरिस को रॉयल चैलेंजर बेंगलोर ने रिलीज किया था और राजस्थान ने इस साल उसे 16.25 करोड़ रूपये में टीम में शामिल किया। स्टोक्स और बटलर के होने के साथ ही मोरिस के टीम में आने से राजस्थान को बल्लेबाजी क्रम में फायदा पहुंच सकता है। राजस्थान ने इंग्लैंड के लियाम लिविंग्स्टोन को भी टीम में लिया है, जिन्होंने हाल ही में भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में बल्ले से उम्दा प्रदर्शन किया था। बल्लेबाजों के अलावा राजस्थान ने इस साल तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को भी शामिल किया है। राजस्थान के लिए परेशानी की बात यह है कि स्टोक्स, बटलर, मोरिस और आर्चर के होने से अन्य विदेशी खिलाड़ी को टीम में किस तरह लिया जाएगा। आईपीएल के नियम के अनुसार एक टीम में महज चार ही विदेशी खिलाड़ी खेल सकते हैं। राजस्थान के क्रिकेट ऑपरेशन निदेशक कुमार संगकारा और नए कप्तान संजू सैमसन के लिए टीम समीकरण पर ध्यान देना अधिक महत्वपूर्ण होगा। राजस्थान ने टीम में शिवम दुबे को भी शामिल किया है लेकिन संगकारा ने स्पष्ट किया था कि टीम में शिवम की भूमिका बल्लेबाज के तौर पर ही होगी। पिछले सीजन में राजस्थान के संघर्ष का कारण स्टोक्स और बटलर का सही इस्तेमाल नहीं कर पाना भी रहा था। मोरिस, डेविड मिलर और दुबे के होने से राजस्थान स्टोक्स और बटलर को ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए भेजा सकता है जिससे बड़ा स्कोर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। राजस्थान की टीम ने अबतक सिर्फ एक बार शेन वार्न की कप्तानी में आईपीएल का खिताब जीता है। इसके बाद यह फ्रेंचाइजी खिताबी जीत के सूखे को खत्म नहीं कर सकी है।

महिला क्रिकेट : ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को हराकर सीरीज में बनाई 2-0 की बढ़त

माउंट माउंगानुई।

सलामी बल्लेबाज रेचल हेन्स (87) की अर्धशतकीय पारी से ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने यहां बे ओवल मैदान पर खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में न्यूजीलैंड को 71 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने हेन्स के 105 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 87 रनों की बदौलत 50 ओवर में सात विकेट पर 271 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 45 ओवर में 200 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। हेन्स को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की वनडे में यह लगातार 23वीं वनडे जीत है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान मेग लेनिंग ने 49 रन, एलिसा हेली ने 44 और बेथ मूनी ने 26 रनों का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की तरफ से लीग कासपेरेक ने छह विकेट और कप्तान एमी सैथरवेट ने एक विकेट लिया।

न्यूजीलैंड की पारी में एमेलिया केर ने सर्वाधिक 47, ब्रूक हालीडे ने 32, हेली जेंसन ने 28 और मैडी ग्रीन ने 23 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जेस जोनासेन ने तीन विकेट, जॉर्जिया वारेहम ने दो विकेट और टाइला वलामिंक तथा मेगन शूट ने एक-एक विकेट लिया। दोनों टीमों के बीच सीरीज का तीसरा और आखिरी वनडे मुकाबला इसी मैदान पर 10 अप्रैल को खेला जाएगा।

नौकायन : कुमानन ने मुसाना ओपन में बरकार रखी बढ़त

मुसाना (ओमान)। भारत की शीर्ष महिला नाविक नेश्रा कुमानन ने यहां चल रहे मुसाना ओपन चैंपियनशिप के चौथे दिन लेसर रेडियल इवेंट में चौथे दिन भी अपनी बढ़त बरकरार रखी है। यह चैंपियनशिप टोक्यो ओलंपिक के लिए एशिया क्वालीफाइंग इवेंट है। 49 एर क्लास में केसी गणपत्ति और वरुण ठक्कर ने 12 रेस के बाद नौ अंक बरकरार रखे। कुमानन को ब्रिटेन की एमा चारलोटे और नीदरलैंड की जिएने सावेलोन से कड़ी चुनौती मिली। कुमानन को कुल नेट 15 अंक और सावेलोन को 17 नेट अंक मिले। लेसर रेडियर इवेंट में अन्य भारतीयों में एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता हर्षिता तोमर ने पिछले दो दिन निराश किया था, लेकिन उन्होंने दो रेस जीते। वह सोमवार को 30 नेट अंकों के साथ सातवें से तीसरे स्थान पर पहुंचीं और राम्या सरावनन 32 नेट अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहीं। 49 एर क्लास में गणपति (हेल्म) और वरुण (क्रीयू) की जोड़ी ने 12 रेस के बाद भी बढ़त बरकरार रखी। तीन रेस में दोनों की जोड़ी सातवें, पांचवें और चौथे स्थान पर रही।

आईपीएल 14

मजबूत इरादे के साथ उतरेगी चेन्नई

नई दिल्ली।

आईपीएल के पिछले सीजन में प्लेऑफ में पहुंचने में नाकाम रही कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व वाली चेन्नई सुपर किंग्स इस सीजन में मजबूत इरादे के साथ उतरेगी। चेन्नई की टीम पिछले साल आईपीएल के इतिहास में पहली बार प्लेऑफ में पहुंचने में नाकाम रही थी। वह पिछले सीजन में लय हासिल नहीं कर सकी थी। चेन्नई की टीम में धोनी, सुरैश रैना, ड्वेन ब्रावो, अंबाती रायुडू और इमरान ताहिर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, लेकिन उन्होंने इस सीजन के लिए कुछ नए चेहरों को भी जगह दी है। पिछले सीजन में पावरप्ले में रन नहीं बना पाना तथा मध्यक्रम का नहीं चलना चेन्नई के फ्लॉप प्रदर्शन का अहम कारण रहा था। पिछले साल रैना आईपीएल में नहीं खेले थे, लेकिन इस सीजन में उनके वापस आने से टीम के बल्लेबाजी क्रम को मजबूती मिलेगी। चेन्नई ने इस साल इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोइन अली को सात करोड़ रुपये में खरीदा है। इसके अलावा उसके पास रुतुराज गायकवाड़ भी हैं। मोइन ने इंग्लैंड के लिए टी20 में अच्छा प्रदर्शन किया है। गायकवाड़ ने पिछले सीजन में लगातार अर्धशतक जड़े थे और उम्मीद है कि वह इस बार भी चेन्नई के लिए ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। चेन्नई के पास फाफ डू प्लेसिस के रूप में एक और बल्लेबाज मौजूद है, लेकिन देखना दिलचस्प होगा कि चेन्नई के लिए शीर्ष क्रम में उनके और मोइन के बीच किसे चुना जाता है। चेन्नई मैनेजमेंट के लिए कुछ खिलाड़ियों का लंबे समय बाद खेलना चुनौती साबित हो सकता है। रैना आईपीएल में आखिरी बार 2019 में खेले थे। हालांकि वह हाल ही में हुई सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेले थे, जहां उन्होंने पांच मैचों में 102 रन बनाए थे। पिछले साल आईपीएल के बाद धोनी ने भी क्रिकेट नहीं खेला है, जबकि टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया दौरे में चोटिल होने के बाद अबतक नहीं खेले हैं। चेन्नई की टीम में सैम करेन मध्यक्रम के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने इस साल लगातार क्रिकेट खेला है। इमरान के अलावा मोइन के होने से चेन्नई के पास स्पिन विभाग में विकल्प मौजूद है। ब्रावो डेथ ओवर के लिए फिट बैठते हैं, जबकि करेन को भी मौका मिल सकता है। इनके अलावा शार्दूल ठाकुर भी चेन्नई के गेंदबाजी आक्रमण को गति दे सकते हैं। टीम के बल्लेबाज कोच माइकल हसी ने कहा कि चेन्नई को वानखेड़े स्टेडियम में गत विजेता मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करनी है, जिससे उसे मदद मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

विराट कोहली वीवो के ब्रैंड एंबेस्डर बने

नई दिल्ली। चाइनीज स्मार्टफोन कंपनी वीवो ने भारतीय कप्तान विराट कोहली को कंपनी का ब्रैंड एंबेस्डर बनाने की बुधवार को घोषणा की। कोहली वीवो के आने वाले प्रोडक्ट्स के लांच को प्रोमोट करते नजर आएंगे। यह साझेदारी अबव द लाइन (एटीएल) और बिलो द लाइन (बीटीएल) गतिविधियों में शामिल रहेगी, जिसमें ब्रैंड के टीवी और प्रिंट कैंपेन तथा सोशल मीडिया इवेंट्स भी शामिल हैं। वीवो इंडिया के ब्रैंड स्ट्रेटेजी निदेशक निपुन मार्या ने बयान जारी कर कहा, हम कोहली के साथ जुड़कर रोमांचित हैं। हमारा ध्यान हमेशा हमारे उपभोक्ताओं की जरूरतों और वरीयताओं पर केंद्रित रहता है। हम अपने उपभोक्ताओ के जीवन में खुशी लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, कोहली जैसे व्यक्ति के साथ जुड़कर हमारा मानना है कि हम युवा उपभोक्ताओं के साथ बेहतर तरीके से जुड़ सकते हैं। आमीर खान और सारा अली खान के अलावा हमें विश्वास है कि किसी खिलाड़ी के साथ जुड़ने से हम ज्यादा से ज्यादा जनता के साथ जुड़ सकेंगे। मेक इन इंडिया के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को देखते हुए वीवो के सभी स्मार्टफोन सीरीज ग्रेटर नोएडा में निर्मित होंगे।

आईसीसी रैंकिंग : फखर ने लगाई सात स्थान की छलांग

सेंचुरियन। पाकिस्तान के बल्लेबाज फखर जमान के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में 193 रनों की पारी ने उन्हें आईसीसी की जारी ताजा बल्लेबाजों की वनडे रैंकिंग में सात स्थान की छलांग के साथ 12वें नंबर पर पहुंचा दिया है। वनडे में लक्ष्य का पीछा करते हुए किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया 193 रन का स्कोर सर्वाधिक स्कोर है। दक्षिण अफ्रीका के रैसी वान डेर डुसेन भी पाकिस्तान के खिलाफ पहले और दूसरे वनडे में क्रमश ~ नाबाद 123 और 60 रन की बदौलत करियर के सर्वश्रेष्ठ 22वें स्थान पर आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा भी दूसरे मैच में 92 रनों की पारी के सहारे बल्लेबाजों की रैंकिंग में 88वें स्थान पर आ गए हैं। गेंदबाजों में दक्षिण अफ्रीका के एनरिच नॉर्त्जे पाकिस्तान के खिलाफ पहले दो वनडे मुकाबलों में सात विकेट लेने की बदौलत करियर के सर्वश्रेष्ठ 73वें स्थान पर आ गए हैं। टी20 प्रारूप में बांग्लादेश के खिलाफ न्यूजीलैंड के लिए डेब्यू करने वाले फिन एलेन तीसरे मैच में 29 गेंदों पर 71 रनों की बदौलत शीर्ष 100 बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं।

सोनी सब के शो 'तेरा यार हूं मैं' में शक्ति ने चाकू से किया राजीव पर हमला

सोनी सब का हल्का-फुल्का स्लाइस ऑफ लाइफ शो 'तेरा यार हूं मैं' अपने दर्शकों को भावनाओं की रोलर-कोस्टर राइड पर ले जाने में कभी भी असफल नहीं हुआ है। आगामी एपिसोड देखकर दर्शकों को सदमा पहुंचेगा जब वह शक्ति को राजीव पर एक चाकू से हमला करते हुए देखेंगे।

आगामी एपिसोड्स में, दर्शक इस बात के साक्षी बनेंगे कि कैसे शक्ति(मोहित डागा) ऋषभ(अंश सिन्हा) को उसकी किडनी बेचने के लिए बड़ी चालाकी से कहता है लेकिन राजीव (सुदीप साहिर) और दलजीत(सायंतनी घोष) किसी तरह से उसे उस दिन बचा लेते हैं। चीज़े तब रोमांचक मोड़ लेती हैं जब राजीव और दलजीत दोनों शक्ति को अपनी तरह से सबक सिखाने का निर्णय लेते हैं। दलजीत शक्ति को ये विश्वास दिलाने कि उसकी किडनी किसी ने चुरा ली है, के अपने प्रयास में सफल होती है। यहां तक कि वो उनके प्लान पर कैसी प्रतिक्रिया देता है, यह जानने के लिए उसके घर में सीसीटीवी कैमरा भी लगा देती है। दलजीत शक्ति को परेशान देखकर खुश होती है, तो वहीं राजीव उसे फोन करता है जिससे शक्ति को इस बात का यकीन हो जाता है कि उसके आसपास जो भी हो रहा है उसके पीछे राजीव है। शक्ति राजीव को उसके घर बुलाता है और दलजीत द्वारा उसे रोकने के कई प्रयासों के बावजूद, राजीव उससे मिलने के लिए चला जाता है। लेकिन राजीव को यह नहीं पता है कि शक्ति ने उसके घर में कदम रखते ही उस पर चाकू से हमला करने की योजना बनाई है।

अब आगे क्या होगा? राजीव कैसे उसके हमले का जवाब देगा? राजीव की भूमिका निभा रहे सुदीप साहिर ने कहा, "आगामी एपिसोड्स दर्शकों के लिए बहुत रोमांचक होने वाले हैं और मेरे लिए इसकी शूटिंग करने का अनुभव बहुत ही मज़ेदार था। अब शक्ति द्वारा राजीव पर चाकू से हमला किया गया है और दर्शकों के लिए ये देखना दिलचस्प होगा कि कहानी में आगे क्याव होगा। हमने हमेशा परिवार के महत्व और अपने परिवार की खुशी के लिए लोग किस हद तक जा सकते हैं, यह दिखाने की पूरी कोशिश की है।"

शक्ति की भूमि अदा कर रहे, मोहित डागा ने कहा, "मेरे किरदार के लिए शूटिंग करने का मेरा अनुभव हमेशा अलग और रोमांचक रहा है। शो में शक्ति हमेशा दलजीत और उसके परिवार को परेशान करने के लिए किसी नई योजना के साथ आता है। अब जब उसके पास राजीव पर चाकू से हमला करने की योजना है, तो दर्शकों के लिए ये देखना वाकई दिलचस्प होगा कि आगे क्या होने वाला है।"

देखिए सोनी सब का शो 'तेरा यार हूं मैं', हर सोमवार से शुक्रवार रात 09:30 बजे

फुटबॉल : बेलारूस के खिलाफ मुकाबले से वापसी करने उतरेगी भारतीय महिला टीम

ताशकंद।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम पहले दोस्ताना मुकाबले में उज्बेकिस्तान के खिलाफ मिली हार को पीछे छोड़कर गुरुवार को यहां एजीएमके स्टेडियम में बेलारूस के खिलाफ होने वाले दोस्ताना मैच से वापसी करने उतरेगी। भारतीय टीम को उज्बेकिस्तान के खिलाफ पिछले मुकाबले में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा था। टीम की मुख्य कोच मयमॉल रॉकी ने कहा, बेलारूस हमसे रैंकिंग में भले ही कुछ स्थान नीचे है लेकिन उन्हें यूरोप की टीमों के खिलाफ खेलने का अच्छा अनुभव है और उनका स्तर काफी ऊंचा है। लेकिन हमारी टीम के खिलाड़ी भी तैयार हैं। भारत ने उज्बेकिस्तान को जल्दी से गोल करने का मौका नहीं दिया था और उज्बेकिस्तान 87वें मिनट में गोल कर सका था जिस कारण उसे जीत मिली थी। टीम की गोलकीपर अदिति चौहान का मानना है कि टीम को उज्बेकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से काफी सकारात्मक चीजें भी मिली। अदिति ने कहा, हमें पता है कि हम चीजें सही कर रहे हैं। हमें बस कुछ विभाग में काम करने की जरूरत है। हमें बेलारूस के खिलाफ वापसी का पूरा भरोसा है।

हरभजन का अंदाज और रूचि शानदार है : कार्तिक

मुंबई। कोलकाता नाइट राइडर्स के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने टीम के अनुभवी ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह की सराहना करते हुए कहा है कि उनका अंदाज और खेल के प्रति उनकी रूचि शानदार है। हरभजन को चेन्नई सुपर किंग्स ने रिलीज कर दिया था और कोलकाता ने ब्रेस प्राइस दो करोड़ रूपये में हरभजन को अपनी टीम में शामिल किया था। कार्तिक ने कहा, हरभजन को टीम में लेना आसान नहीं था लेकिन पिछले एक सप्ताह में उनके द्वारा दिखाई गई रूचि और अंदाज काफी शानदार है। उन्होंने कहा, हरभजन अन्य खिलाड़ियों की तुलना में अभ्यास सत्र में जल्दी आते हैं और वह ऐसा लगातार करते हैं। मुझे लगता है कि जैसा मैंने उन्हें पहले देखा है उससे अब वह थोड़े अलग हो गए हैं। कार्तिक ने कहा, अभ्यास मैच शाम को सात बजे शुरू होता है और वह चार बजे तक आ जाते हैं। वह बल्लेबाजी भी करते हैं और उन्होंने शाकिब अल हसन और ईयोन मोर्गन के खिलाफ गेंदबाजी की। उन्होंने कहा, हरभजन सबकुछ प्राप्त कर चुके हैं लेकिन इसके बावजूद वह करियर के इस पड़ाव में जिस तरह रूचि दिखाते हैं वह बेहतरीन है। मुझे यकीन है कि वह कोलकाता के लिए काफी अच्छा करेंगे।

हॉकी : भारत ने अभ्यास मैच में अर्जेंटीना को 4-3 से दी शिकस्त

ब्यूनस आयर्स।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पहले अभ्यास मैच में ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना को 4-3 से हरा दिया है। भारत की ओर से नीलकांत शर्मा, हरमनप्रीत सिंह, रूपिंदर पाल सिंह और वरूण कुमार ने एक-एक गोल किए जबकि अर्जेंटीना की तरफ से लिआंद्रो तोलिनी ने दो और माएको कासेला ने एक गोल किया। इससे पहले, भारत की तरफ से पहला गोल नीलकांत ने 16वें मिनट में किया और टीम को शुरूआती बढ़त दिलाई। हालांकि अर्जेंटीना ने पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने गोल होने से बचा लिया। इसके बाद हरमनप्रीत ने 28वें मिनट में शानदार गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। रूपिंदर के 33वें मिनट में किए गए गोल ने टीम की बढ़त मजबूत कर दी। लेकिन अर्जेंटीना की ओर से तोलिनी ने 35वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में तब्दील कर स्कोर 3-1 कर दिया। अर्जेंटीना की ओर से कासेला ने 41वें मिनट में गोल कर बढ़त 2-3 से कम कर दी। 47वें मिनट में वरूण ने मौके को भुनाते हुए गोल किया और स्कोर 4-2 कर दिया। इसके बाद अर्जेंटीना की ओर से तोलिनी ने 53वें मिनट में एक और गोल कर बढ़त कम करने की कोशिश की। दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला लेकिन निर्धारित समय तक अर्जेंटीना कोई और गोल नहीं कर सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा।

धोनी से बात करना अपने आप में बड़ी चीज : नटराजन

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज टी. नटराजन ने चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की सराहना करते हुए कहा है कि धोनी से बात करना उनके लिए अपने आप में एक बड़ी चीज है। नटराजन ने बताया कि धोनी ने उन्हें फिटनेस और विविधताओं को मैनेज करने की सलाह दी थी जिससे उन्हें करियर में काफी मदद मिली। नटराजन ने इएसपीएन क्रिकइंफो से कहा, मैंने उनके खिलाफ गेंदबाजी की और उन्होंने 102 मीटर या उससे करीब का छक्का जड़ा। उन्होंने कहा, अगली गेंद पर मुझे उनका विकेट मिला लेकिन मैंने इसका जश्न नहीं मनाया। मैं पिछली गेंद के बारे में सोच रहा था। ड्रेसिंग रूम में आने के बाद मुझे खुशी हुई। नटराजन ने कहा, मैच खत्म होने के बाद मेरी धोनी से बात हुई। धोनी जैसे खिलाड़ी से बात करना अपने आप में ही एक बड़ी चीज है। उन्होंने मुझसे फिटनेस के बारे में बात की और मुझे प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, धोनी ने कहा कि मैं अनुभव के साथ बेहतर हो जाऊंगा। उन्होंने कहा कि स्लो बाउंसर, कटर्स और विविधता का इस्तेमाल करो। यह बातें मेरे लिए काफी मददगार साबित हुई।

मनपा ने एक दिन ड्राइव रोकने का किया ऐलान

सूरत में कोरोना वैक्सीन की कमी

सूरत ।

गुजरात में कोरोना के मामलों में दर्ज की जाने वाली वृद्धि पर काबू पाने के लिए टीकाकरण प्रक्रिया को गति दी गई है। राज्य में कुल ३ लाख १२ हजार ६८८ लोगों को टीका दिया गया है । इस बीच सूरत से बड़ी खबर सामने आ रही है । कोरोना वैक्सीन की कमी होने की वजह से सूरत नगर निगम ने एक दिन के लिए टीकाकरण अभियान को रोकने का फैसला किया है ।

कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सूरत नगर निगम ने टीकाकरण अभियान को गति देने का फैसला किया है । जिसके तहत हर दिन ३५ हजार से अधिक लोगों को वैक्सीन दी जा रही है । हालांकि समय पर टीका की आपूर्ति के कारण टीकाकरण लक्ष्य हासिल करने में कठिनाई हो रही है। बुधवार को अभियान को रोकने का निर्णय लिया गया क्योंकि कल टीकाकरण की प्रक्रिया खत्म होने के बाद सिर्फ १२,००० डोज बचे थे। इतना ही नहीं इससे पहले रविवार को कई केंद्रों में वैक्सीन की कमी की वजह से लोगों को बिना डोज लिए वापस लौटना पड़ा था। सूरत नगर निगम ने घोषणा की है कि कोविड -१९ के सभी टीकाकरण केंद्र और निजी अस्पतालों में बुधवार ७ अप्रैल को टीकाकरण प्रक्रिया बंद रखने का फैसला किया गया है। सभी टीकाकरण केंद्र कल गुरुवार ८ अप्रैल से सामान्य रूप से जारी रहेंगे । उल्लेखनीय है कि

राज्य में अब तक ७० लाख लोगों को कोरोना वैक्सीन दी जा चुके हैं। मिल रही जानकारी के अनुसार गुज रात में हर दिन ४ लाख से अधिक लोगों को टीका लगाया जा रहा है। टीकाकरण के मामले में पहले पायदान पर महाराष्ट्र है उसके बाद गुजरात का नाम आता है ।

टीकाकरण को गति देने के लिए सूरत नगर निगम ने आने वाले दिनों में २४ घंटे टीका देने पर विचार किया जा रहा है। इतना ही नहीं अप्रैल के पूरे महीने बिना छुट्टी के टीकाकरण की प्रक्रिया चलाई जाएगी ।

सूरत ड्रिंक एंड ड्राइव मामले का भगोड़ा आरोपी हाजिर हुआ

सूरत ।

शहर के वेसू इलाके में हिट एंड रन से एक युवती को मौत के घाट उतारने वाला आरोपी पुलिस स्टेशन में पेश हो गया है । भगोड़ा आरोपी अतुल वेकरिया आज उमरा पुलिस के सामने पेश हुआ । अतुल इससे पहले जमानत पर छूटने के बाद फरार हो गया था ।

लेकिन वह गिनती के घंटों में एक बार फिर पुलिस के सामने पेश हो गया। दुर्घटना मामले में पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। जिसकी वजह से मामले की जांच सेक्टर -१ के एडीसीपी को सौंप दी गई है । मिल रही जानकारी के अनुसार, २६ मार्च की रात को अतुल बेकरी का मालिक आरोपी अतुल वेकरिया वेसू इलाके में शराब के नशे में गाड़ी चलाते हुए दो स्कूटी को टक्कर मार दिया था। इस हादसे में उर्वशी नाम की एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई थी । उसे इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया था।

जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी । मामले की प्रारंभिक जांच में पुलिस ने धारा ३०४ (ए) के तहत अपराध दर्ज किया था । जिसकी वजह से आरोपी अतुल वेकरिया को जमानत मिल गई थी । जिसके बाद से वह गायब हो गया था । उसके बाद पुलिस ने धारा ३०४ के तहत उसकी जमानत को निरस्त करवा दिया था । जिसके बाद पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी । पुलिस उसकी तलाश के लिए कई जगहों पर छापेमारी कर रही थी लेकिन उसके बारे में कोई सुराग नहीं मिल रहा था ।

आरोपी अतुल वेकारिया गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत मांगी थी । अदालत में इस मामले की सुनवाई ९ मई को होने वाली थी । इस बीच अतुल वेकारिया आज अचानक उमरा पुलिस स्टेशन में पेश हो गया । पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई कर रही है ।

मास्क नहीं पहनने वालों से २.६६ करोड़ जुर्माना वसूला

गांधीनगर ।

गुजरात में कोरोना का कहर एक बार फिर से दिन प्रतिदिन बढ़ने लगा है। कोरोना पर काबू पाने के लिए राज्य सरकार लोगों ने दिशानिर्देशों का पालन करने की अपील कर रही है।

बावजूद इसके मास्क पहनने को लेकर लोगों में गंभीरता नहीं दिखाई दे रही। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पुलिस सिर्फ ४ दिनों में मास्क नहीं पहनने वालों से २.६६ करोड़ रुपया जुर्माना के रूप में वसूल चुकी है। कोरोना संक्रमण के बढ़ते आतंक पर लगाम लगाने के लिए मास्क को सबसे ज्यादा कारगर उपाय माना जा रहा है। गुजरात पुलिस ने चार दिनों में २.६६ करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला है। जो लोग मास्क नहीं पहनते और सार्वजिनक जगह पर थूकते हुए पकड़े गए हैं। गुजरात डीजीपी आशीष भाटिया ने राज्य के सभी जिला पुलिस प्रमुखों और पुलिस अधिकारियों को गुजरात में मास्क नहीं पहनने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया है।

आशीष भाटिया ने कहा कि अगर मास्क नाक के नीचे है इस स्थिति में कोई भी पकड़ा जाता है तो मास्क लगाने के बावजूद इस पर जुर्माना लगाया जाएगा । डीजीपी आशीष भाटिया ने आगे कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी के साथ भी हल्का व्यवहार नहीं किया जाएगा। कोरोना मामलों पर काबू पाने के लिए मास्क जरूरी है इसलिए लोगों को मास्क जरूर पहनना चाहिए। अहमदाबाद शहर में भी लगभग ५० पुलिसकर्मी कोरोना से संक्रमित हुए हैं। जिसकी वजह से अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर ने किसी भी पुलिसकर्मी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है जो अब तक बिना मास्क के शहर में घूमता हुआ दिखाई देता है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा

कि कोरोना सिर्फ गुजरात में नहीं बल्कि पूरे देश में बढ़ रहा है। कोरोना पर काबू पाने के लिए राज्य सरकार ने टीकाकरण अभियान को तेज कर दिया है। गुजरात के ४ महानगरों में कोरोना के सबसे ज्यादा मामले पाए जा रहे हैं। टीका और मास्क पहनने से कोरोना पर काबू पाया जा सकता है, इस मौके पर सीएम रूपाणी ने कहा कि मास्क पहनने वाले ९८ फीसदी लोग कोरोना से बच रहे हैं।

व्यक्ति पोने घंटे से बेहोश बाद भी १०८ नहीं आई

कॉल करने वाले व्यक्ति की १०८ की प्रतिनिधि महिला के साथ की बातचीत सोशल मीडिया में बहुत ही वायरल हुई है

सूरत ।

सूरत में कोरोना महामारी की वजह से जगह-जगह मरीजों की लाइनें लग गई है । इतने में अधुरे में पूरा सामान्य परिस्थिति की इमरजन्सी बढ़ गई हो ऐसा लग रहा है । क्यों कि हाल में एक वायरल ऑडियो क्लिप में यह दावा किया गया है कि १०८ व्यस्तता की वजह से ४५ मिनट तक बेहोश रहे दुर्घटनाग्रस्त पीड़ित को लेने के लिए नहीं जा सकी । लसकाणा में एक वाहन दुर्घटना हुई तब स्थानीय निवासियों ने १०८ में कॉल किया था। यह कॉल करने वाले व्यक्ति की १०८ की प्रतिनिधि महिला के साथ की बातचीत सोशल मीडिया में बहुत ही वायरल हुई है। हालांकि, यह क्लिप में कोई अजीब नहीं है लेकिन आश्चर्यजनक बात है कि रोड पर ४५ मिनट तक बेहोश रहे व्यक्ति के उपचार के लिए १०८ नहीं आ सकती हो तो इसे इमरजन्सी सेवा कहने का कोई अधिकार नहीं है ऐसी लोग चर्चा है। हालांकि सूरत में लगातार बढ़ रहे कोरोना के केस की वजह से १०८ की सुविधा को काफी गंभीर पहुंचा है । मरीजों को भर्ती करने के लिए १०८ की व्यस्तता बढ़ी है लेकिन १०८ की ऐसी यह कैसी सेवा या ४५ मिनट तक बेहोश हुए व्यक्ति को उपचार

के लिए अन्य एंबुलेंस उपलब्ध नहीं करा सके । हालांकि, यह सभी बातें वायरल ऑडियो क्लिप का हिस्सा है और हाल में तो संजीवनी समान १०८ पर गंभीर आरोप लगा है तब यह स्थिति सूरत की कोरोना की गंभीर दशा का उदाहरण देता है। लोगों को इस समय में सावधान हो जाने की जरूरत है।

बुधवार को सूरत आये मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने भी लोगों को काम बिना बाहर नहीं जाने की अपील की है तब सूरतवासियों को अब काम बिना नहीं निकलना चाहिए। हालांकि १०८ का काम इमरजन्सी में उपचार देने का है तब यह उपचार देने के लिए यदि संजीवनी समान एंबुलेंस ही नहीं पहुंच सकती हो तो समझना की स्थिति बहुत ही गंभीर है।

सिविल अस्पताल में १ माह के लिए शाम की OPD बंद

गांधीनगर ।

कोरोना की वर्तमान स्थिति को देखते हुए अहमदाबाद सिविल अस्पताल में मुख्यमंत्री के मुख्य सचिव के. कैलासनाथन की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी । बैठक में फैसला लिया गया है कि शाम को सिविल अस्पताल की ओपीडी को अगले एक माह तक बंद रखा जाएगा । अहमदाबाद में कोरोना के रिकॉर्ड नए मामले दर्ज होने के बाद इलाज के लिए सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ निजी अस्पतालों में भी लोग भर्ती हो रहे हैं। कोरोना काल में सिविल अस्पताल के डॉक्टरों के साथ मुख्यमंत्री के मुख्य सचिव ने कोर कमेटी की बैठक करके स्थिति का जायजा लिया।

कैलासनाथन ने सिविल अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टरों के साथ द्विपक्षीय चर्चा की और पूरी स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी ली। सिविल अस्पताल में कोरोना संक्रमित मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके इसको लेकर चर्चा की गई ।

मुख्यमंत्री के मुख्य सचिव के । कैलासनाथन की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में अग्रिम योजना के रूप में रोगियों के सार्वजनिक कल्याण के लिए निर्णय लिए गए हैं। सिविल कैंपस में मौजूद कैंसर, किडनी अस्पताल की नई इमारत में कोरोना से पीड़ित रोगियों के इलाज के लिए पूरी तरह से कोरोना वोर्ड में बदलने की चर्चा की गई । इतना ही नहीं हालात को मद्देनजर रखते हुए सिविल अस्पताल में एक महीने के लिए शाम की ओपीडी को बंद करने का निर्णय लिया गया है ।

सिविल अस्पताल में होने वाली इस अहम बैठक में स्वास्थ्य आयुक्त जयप्रकाश शिवहरे, सिविल अस्पताल अधीक्षक डॉ । जे ।वी । मोदी, आईकेडीआरसी के निदेशक डॉ । विनीत मिश्रा, बी ।जे मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ । प्रणय शाह, अलग-अलग विभागों के अध्यक्ष के साथ अस्पताल के डॉक्टरों ने इस बैठक में हिस्सा लिया ।

शहर में ऑक्सीजन सप्लाई की मांग में ४ गुना वृद्धि हुई

एक कंपनी से एक अस्पताल में पहले ८ ऑक्सीजन सप्लाई होता था, जो फिलहाल ३५ सिलेंडर सप्लाई होता है

अहमदाबाद ।

कोरोना वायरस का संक्रमण बढ़ रहा है तब निजी और सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन सप्लाई की आपूर्ति बढ़ गई है । अस्पतालों में ऑक्सीजन सप्लाई की मांग ४ गुना ज्यादा हुई है ।

निजी अस्पताल में ऑक्सीजन सप्लाई करती अहमदाबाद में ८ कंपनी है। एक कंपनी में से एक अस्पताल में पहले रोजाना ८ ऑक्सीजन सिलेंडर सप्लाई होता था । जिसमें फिलहाल वृद्धि होने पर रोजाना ३५ सिलेंडर सप्लाई हो रहा है। अहमदाबाद सहित राज्यभर में कोरोना के केस बढ़ने पर हेल्थ विभाग ज्यादा सतर्क हुआ है। हालांकि केस बढ़ने पर अस्पतालों में ऑक्सीजन सप्लाई की मांग में ४ गुना वृद्धि हुई है । ऑक्सीजन बनाने के लिए रो मटीरियल सप्लाई करती एजेंसियां इसकी सप्लाई करने में ब्लेक मार्केटिंग कर रहे होने के आरोप ऑक्सीजन सिलेंडर तैयार करती कंपनियों के मालिक कर रहे है । ऑक्सीजन की सप्लाई प्रणव शाह बताते है कि, एक अस्पताल में ३५ से ४० ऑक्सीजन गैस के सिलेंडर जा रहे है ।

हालांकि, हेल्थ विभाग द्वारा अस्पताल में और इंडस्ट्रीज में होती ऑक्सीजन गैस की सप्लाई मामले में ६०-४० का रेशियो रखने का बताया गया है। हालांकि, यह मामले में वह बताते है कि, ऐसा होगा तो इंडस्ट्रीज में काम होने पर बंद होगा। राज्य सरकार को सुझाव देते उन्होंने बताया कि, गुजरात लेवल पर एयर स्प्रेशन प्लांट कई है। ऑक्सीजन के लिए जरूरी तरल पर का बोझ घटाने के लिए एयरसप्रेशन कार्यरत रहे यह जरूरी है ।

भावनगर में १९ एयरसप्रेशन प्लांट है और पूरे गुजरात में १२५ प्लांट है। यह प्लान्टस को फुलफिल रूप से चालू किया जाए तो सिर्फ भावनगर में १६० टन पर डे ऑक्सीजन प्रॉडक्शन है । जिसमें ७० टन भावनगर में इस्तेमाल होता है जबकि बाकी का बचा ऑक्सीजन मेडिकल और इंडस्ट्रीज में दे सके। यदि इस तरीके से सभी एयर सप्रेशन प्लांट चालू हो जाए तो तरल का बोझ कम किया जा सकता है । ऑक्सीजन के उत्पादन में भी चार गुना ज्यादा होगा और इंडस्ट्रीज को बंद होने से बचाया जा सकेगा ।

यूपी का कुख्यात गैंगस्टर अहमदाबाद की जेल में बंद है

अतीक पर अपहरण, धमकी और फिरौती वसूलने सहित के १०० से ज्यादा बड़े अपराधों का लंबा लिस्ट है

अहमदाबाद ।

उत्तरप्रदेश का पूर्व सांसद और माफिया फिलहाल अहमदाबाद की साबरमती जेल में बंद है । हत्या, अपहरण,फिरौती मांगने सहित के कई बड़े अपराध जिस पर लगे है ऐसा अतीक अहमद को यूपी की नैनी सेंट्रल जेल से गुजरात की जेल में पोने दो वर्ष पहले ट्रांसफर किया गया था। अहमदाबाद की जेल में बंद यह कुख्यात गैंगस्टर की एक-एक गतिविधि पर जेल पुलिस नजर रख रही है ।

३ जून २०१९ को यानी कि करीब पोने दो वर्ष पहले, उत्तरप्रदेश का माफिया गैंगस्टर अतीक अहमद को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अहमदाबाद की जेल में लाया गया था। जेल के सूत्रों के बताये अनुसार, इतने वर्षों से अतीक अहमद को जेल की हाई सिक्युरिटी जोन में बंद रखा गया है । जहां एसआरपी के सुरक्षा कर्मचारियों के साथ जेल के सुरक्षा कर्मचारी इसके प्रत्येक गतिविधि पर नजर रख रही है। सिर्फ १८ वर्ष की उम्र से ही हत्या के अपराध से जुर्म की दुनिया में पैर रखने वाला अतीक का क्राइम इतिहास इतना ही खतरनाक है । इस पर अपहरण, धमकी और और फिरौती वसूलने सहित के बड़े-बड़े १०० से ज्यादा अपराधों का लंबा लिस्ट है । साबरमती जेल में बंद अतीक अहमद की दिनचर्या के बारे में बात करे तो अतीक को

सुबह में नास्ता दोपहर में और रात को भोजन तथा शाम को चाय दिया जाता है। अतीक को दोपहर में १२ से ३ और शाम को ६ से सुबह में ६ बजे तक जेल में बंद रखा जाता है। बाकी का समय वह हाई सिक्युरिटी जोन में आ-जा सकता है। लेकिन फिर भी सुरक्षा कर्मचारी लगातार इसकी गतिविधि पर नजर रखते हैं। इतना ही नहीं अतीक को जिस हाई सिक्युरिटी जोन में रखा गया है वहां के हर सप्ताह में सुरक्षा कर्मचारियों का स्टाफ बदल दिया जाता है । अतीक अहमद खुद डायाबीटीस की बीमारी से पीड़ित रहा है । हर दो दिन पर इसका मेडिकल चेकअप होता रहता है । यदि इसे सामान्य तकलीफ हो तो डॉक्टर जेल में ही आते है । यदि कोई इमरजन्सी हो तो ऐसे कुख्यात कैदियों को बाहर निकालना होता है ।

कोरोना का डर, व्यापारी स्वयं कर रहे हैं सात दिन के लॉकडाउन की मांग

वडोदरा ।

शहर में दिन प्रति दिन 350 से अधिक कोरोना संक्रमित मरीज सामने आ रहे हैं। अनाधिकृत आंकड़ों के मुताबिक नियमित 3000 जितने कोरोना के केस दर्ज हो रहे हैं, जिससे लोगों में दहशत व्याप्त है और लोग स्वयं लॉकडाउन की मांग करने लगे हैं। वडोदरा व्यापार विकास एसोसिएशन ने शहर में सात दिन के लॉकडाउन की मांग की है। इस एसोसिएशन से वडोदरा के करीब 10 हजार से अधिक छोटे-बड़े व्यापारी जुड़े हैं। व्यापारी अच्छी तरह जानते हैं कि लॉकडाउन से उन्हें नुकसान होना तय है, इसके बावजूद वह लॉकडाउन की मांग कर रहे हैं। ताकि कोरोना की चेइन टूटे और संक्रमण कम हो। वडोदरा व्यापार विकास एसोसिएशन के पदाधिकारी, वडोदरा चैम्बर ऑफ कॉमर्स एन्ड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारी, हाथीखाना अनाज-किराना एसोसिएशन के पदाधिकारी, वडोदरा चार्टर्ड एकाउन्टन्ट एसोसिएशन की बीते दिन हुई संयुक्त बैठक में । दिन के लोकडॉउन का समर्थन किया गया। वडोदरा व्यापार विकास एसोसिएशन के संयोजक परेश परीख के मुताबिक प्रशासन को वडोदरा में संक्रमण रोकने के लिए । दिन का लॉकडाउन लगाना चाहिए। परेश परीख ने राजनीतिक दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें राज्य में सभी राजनीतिक

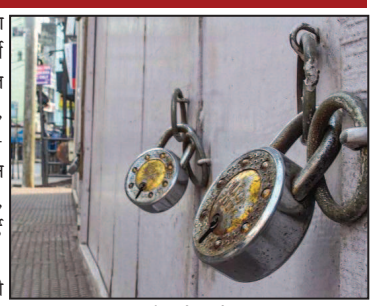

कार्यक्रमों को तुरंत बंद करना देना चाहिए। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए सरकार को चाहिए कि वह कहीं भीड़ जमा न होने दे। कई व्यापारी, कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य कोरोना की चपेट में आ रहे हैं, जिसे देखते हुए कम से कम सात दिन का लॉकडाउन लगाया जाए ताकि कोरोना की चेइन टूटे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)